... की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 133 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 04 मई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

पेज 5 रोहित शर्मा होंगे कप्तान...

पेज 7 रेड-2 से पहले वाणी कपूर...

देश की स्थिरता की दिशा में निर्णायक कदम होगा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' : शिवराज चौहान

मोदी जी के इस ऐतिहासिक पहल का बेसब्री से इंतजार: डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। आज नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21 में एथलीट एसोसिएशन द्वारा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' अभियान के अंतर्गत महिला एवं पुरुष दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्धनगर सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर, लोक निर्माण विभाग मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सतेंद्र अवाना, दादरी विधायक तेजपाल नागर तथा कार्यक्रम संयोजक अर्पित मिश्रा, अभियान संयोजक सुचित्रा पाठक कक्कड़, सह-संयोजक भूपेश चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भारत को स्थिरता की ओर ले जाने वाला निर्णायक कदम है। इससे समय, संसाधन और ऊर्जा की बचत होगी, जो राष्ट्र निर्माण में लगेगी।

सुनील बंसल ने कहा कि यह अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक सशक्त और पारदर्शी बनाएगा। भारत की एकता के लिए यह एक अनिवार्य सुधार है।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा0 महेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बड़े बदलावों की ओर बढ़ रहा है, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' उसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

सांसद सुरेन्द्र नागर ने कहा कि यह समय है कि हम चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाएं ताकि सरकारें अपने कार्यकाल को पूरी तरह जनहित में समर्पित कर सकें।

कुंवर ब्रजेश सिंह ने कहा कि यह अभियान केवल चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्र की नीतिगत स्थिरता सुनिश्चित करने का माध्यम है।

विधायक नोएडा पंकज सिंह ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भविष्य की राजनीति का मार्गदर्शक सिद्धांत बनेगा। इससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा।

मुख्य अतिथियों ने ध्वज दिखा करके दौड़ को आरंभ किया और सभी मुख्य अतिथियों ने पुष्प वर्षा करके खिलाड़ियों का सम्मान किया एवं उनका उत्साह भी बढ़ाया। महिला एवं पुरुष दौड़ के विजेताओं को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में शिवराज सिंह चौहान ने नगाड़ा बजा कर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का उद्घोष किया।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें गौतमबुद्ध नगर अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक नवाब सिंह नागर, चंदगीराम यादव, गणेश जाटव, उमेश त्यागी डिंपल आनंद विनोद शर्मा, विनोद त्यागी, धर्मेंद्र गुप्ता, पूनम सिंह प्रज्ञा पाठक शर्मा रामनिवास यादव अमित पांडे वंदना गुप्ता कौशल यादव नीरज चौधरी शशिधर उपाध्याय दीनबंधु कुमार, प्रदीप चौहान रामकिशन यादव अमित नागपाल मनीष दीक्षित मुकेश चौहान मनोज चौहान देवेंद्र सिंह भदौरिया अरुण चौहान कुलदीप चौहान रचना जैन दीपाली दीक्षित नमिता बाजपेई इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय सेना को मिली रूसी मूल की इग्ला-एस मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना को एक बड़ी सैन्य मजबूती मिली है। सेना को हाल ही में रूसी मूल की Igla-S वायु रक्षा मिसाइलें प्राप्त हुई हैं। ये मिसाइलें बहुत कम दूरी की वायु सुरक्षा प्रणाली का हिस्सा हैं और सेना की हवाई हमलों से रक्षा करने की क्षमता को और मजबूत करेंगी।

सरकार द्वारा सेना को दिए गए आपातकालीन खरीद अधिकारों के तहत यह सौदा किया गया था। लगभग 260 करोड़ रुपये की लागत वाले इस अनुबंध के तहत प्राप्त मिसाइलों को सीमा पर तैनात अग्रिम चौकियों को दिया जा रहा है ताकि दुश्मन के लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन से रक्षा की जा सके।

सूत्रों के अनुसार ये मिसाइलें कुछ हफ्ते पहले सेना को मिली हैं और इन्हें पश्चिमी सीमाओं पर तैनात किया जा रहा है, जहां पाकिस्तान से खतरा बना हुआ है।

भारतीय वायुसेना ने भी इसी प्रकार के इन्फ्रारेड आधारित VSHORADS मिसाइलों की खरीद का फैसला किया है। सेना और वायुसेना दोनों पिछले कुछ वर्षों से आपातकालीन और फास्ट ट्रैक खरीद प्रक्रियाओं के जरिए अपने शस्त्रागार को मजबूत कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एनईए के 48वें स्थापना दिवस पर नए सभागार की सौगात

उद्यमियों के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन ने 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर एनईए के नवनिर्मित सभागार में सुन्दरकांड पाठ एंव भण्डारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किशन पंत द्वारा सुन्दरकांड एंव हनुमान चालिसा पाठ किया गया, कार्यक्रम में भारी संख्या में उद्यमियों एंव शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डा0 महेश शर्मा ने एनईए के पदाधिकारियों को एनईए के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी तथा कहा कि एनईए का सहयोग हमे हमेशा मिलता रहा है। मैं उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करवाने के लिए हमेशा आपके साथ खड़ा रहूँगा ।

इस अवसर पर एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री एंव सांसद गौतमबुद्ध नगर डा0 महेश शर्मा, विधायक नौएडा पंकज सिंह, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, पूर्व विधायक-नौएडा नबाव सिंह नागर, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध मनीष वर्मा, डा. पल्लिवी शर्मा, डा. वी.के. गुप्ता, श्रीमती विमला बाथम, कैप्टन विकास गुप्ता, ललित ठुकराल, योगेन्द्र शर्मा, (शेष पृष्ठ-३ पर)

दो माह में पूरा होगा वेस्ट टू वंडर पार्क

लोहे व प्लास्टिक के कबाड़ से बनेगा पार्क, 15 करोड़ होंगे खर्च

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-44 में महामाया फ्लाईओवर और ओखला पक्षी विहार के बीच बन रहे वेस्ट टू वंडर पार्क के निर्माण में दो महीने का समय और लगेगा।

जून 2024 में शहर के इस पहले पीपीपी मॉडल के पार्क का निर्माण शुरू हुआ था। चार महीने में काम पूरा करने का दावा था। इसके बावजूद काम पूरा नहीं हो सका। प्राधिकरण यह पार्क करीब 18.27 एकड़ में बना रहा है। पार्क का नाम नोएडा जंगल ट्रेल होगा।

पार्क के अंदर कबाड़ से बने डायनाशोर, गैंडा, मगरमच्छ, अजगर, बंदर की आकृतियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही छोटी आकृतियों में सुंदर-सुंदर चिड़ियां भी कबाड़ से बनी हुई होंगी। पार्क में आने वाले लोग जंगल में सैर का लुत्फ भी उठा सकेंगे। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि कुछ काम और एजेंसी को करने हैं। इसके लिए दो महीने का और समय दिया गया है।

पार्क में 500 टन लोहा वेस्ट का प्रयोग किया गया है। यहां लोहे से पार्क में स्कल्पचर बनाए जा रहे है। इसके अलावा प्लास्टिक वेस्ट का प्रयोग भी किया जा रहा है। इस पार्क को बनाने में करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इसमें हाथी, पैंगुविन, शेर, जिराफ़, बर्ल्डस, बत्तख, फ्लेमिंगो, बरटफ्लाई, जंगली भैसः, डाइनासौर, गैंडा, मोर, भालू, क्वाला, पांडा आदि को बनाए गए है।

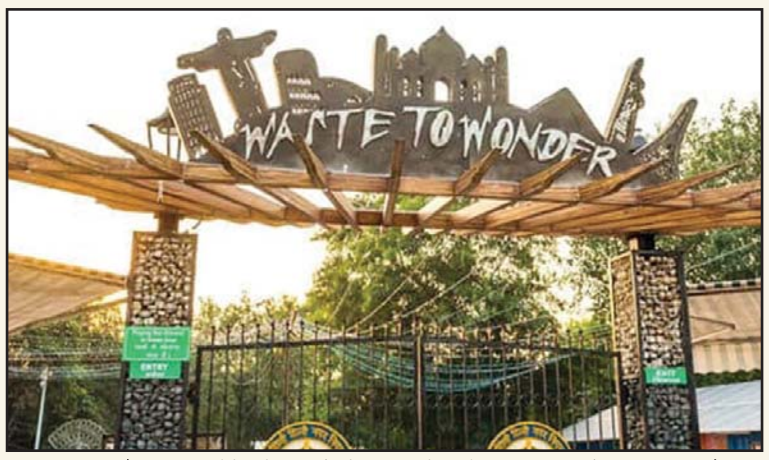

पार्क के तीन जोन में बांटा गया है। पहला जोन-ए 4.05 एकड़ का है। इसमें पार्किंग, एंपीथियेटर (1000 लोगों की क्षमता का), फूड कोर्ट और ऐग्जीबिशन एरिया है। यहां 8 बसों और 76 कारों की पार्किंग होगी।

जोन-बी 8.77 एकड़ का बनाया जा रहा है। इसमें ट्रोपिकल रेन फारेस्ट , ग्रास लैंड , वेट लैंड को बनाया जा रहा है। तीसरा जोन-सी 5.45 एकड़ का है। इसमें आईस लैंड ओशियन, ट्रेमप्रेट फारेस्ट और पोलर रीजन होगा।

ये पार्क अपने आप में अनोखा होगा, जिसका कॉन्सेप्ट 4डी पर आधारित है। इस पार्क को बनाने वाली कंपनी ही इसका संचालन और मेंटेनेंस करेगी। पार्क में आने वाले लोगों के लिए टिकट रखा जाएगा जिसका 50-50 प्रतिशत राजस्व की हिस्सेदारी होगी। इस पार्क की रीच को बढ़ाने के लिए ही इसे सेक्टर-44- 94 के पास बनाया जा रहा है। ताकि दिल्ली , ग्रेटर नोएडा और फरीदाबाद के लोग तक यहां आ सके।

जिला जज मलखान सिंह ने संभाला पदभार

बेंच और बार के समन्वय स्थापित करेंगे :जिला जज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा (गौतमबुद्धनगर) के जिला जज बने मलखान सिंह ने कार्यभार संभाल लिया है। ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्धनगर कचहरी में उन्होंने गौतमबुद्धनगर जिले के जिला जज का पदभार विधिवत रूप से ग्रहण कर लिया है। इस दौरान नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में सक्रिय वकीलों ने जिला जज का विधिवत स्वागत किया। बार एसोसिएशन की तरफ से एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी के नेतृत्व में जिला जज का विधिवत स्वागत किया गया। इस दौरान नवनियुक्त जिला जज ने वकीलों को आश्वासन दिया कि कचहरी में बैंच तथा बार के समन्वय के लिए हर संभव कार्य किए जाएंगे।

नोएडा (गौतमबुद्धनगर) के जिला जज बने मलखान सिंह ने आज जिला जज गौतमबुद्धनगर का पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी एडवोकेट के नेतृत्व में बुका देकर बार एसोसिएशन सचिव अजीत नागर एड व अन्य साथियों के साथ स्वागत किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

करारा जवाब

पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए। इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था ष्ट्रक्क्न के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुश्मन का बहुत ज्यादा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, कि हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विध्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं।

भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापंसद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया। इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमेरिका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया।

सही मायने में अमेरिका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमेरिका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए। भारत ने हर क्षेत्र में अपनी तरक्की से अमेरिका के ऐसे प्रयासों को हमेशा झटका दिया है। ऐसे में अमेरिका से कभी भी उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह पहलगाम में हुई आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को दंडित करेगा। भारत को अपने बलबूते ही ऐसी वारदातों से निपटने और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए दूरगामी नीति अपनानी होगी।

– योगेंद्र योगी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जब प्रतापभानु राजा हुआ, देश में उसकी दुहाई फिर गई। वह वेद में बताई हुई विधि के अनुसार उत्तम रीति से प्रजा का पालन करने लगा। उसके राज्य में पाप का कहीं लेश भी नहीं रह गया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नृप हितकारक सचिव सयाना। नाम धरमरुचि सुक्र समाना॥
सचिव सयान बंधु बलबीरा। आपु प्रतापपुंज रनधीरा॥1॥

राजा का हित करने वाला और शुक्राचार्य के समान बुद्धिमान धर्मरुचि नामक उसका मंत्री था। इस प्रकार बुद्धिमान मंत्री और बलवान तथा वीर भाई के साथ ही स्वयं राजा भी बड़ा प्रतापी और रणधीर था॥

सेन संग चतुरंग अपारा। अमित सुभट सब समर जुझारा॥
सेन बिलोकि राउ हरषाना। अरु बाजे गहगहे निसाना॥

साथ में अपार चतुरंगिणी सेना थी, जिसमें असंख्य योद्धा थे, जो सब के सब रण में जूझ मरने वाले थे। अपनी सेना को देखकर राजा बहुत प्रसन्न हुआ और घमाघम नगाड़े बजने लगे॥

बिजय हेतु कटकई बनाई। सुदिन साधि नृप चलेउ बजाई॥
जहँ तहँ परीं अनेक लराईं। जीते सकल भूप बरिआईं॥

दिग्विजय के लिए सेना सजाकर वह राजा शुभ दिन (मुहूर्त) साधकर और डंका बजाकर चला। जहाँ-तहाँ बहुतसी लड़ाइयाँ हुईं। उसने सब राजाओं को बलपूर्वक जीत लिया॥ (क्रमशः...)

सूरज को मना लेंगे (व्यंग्य)

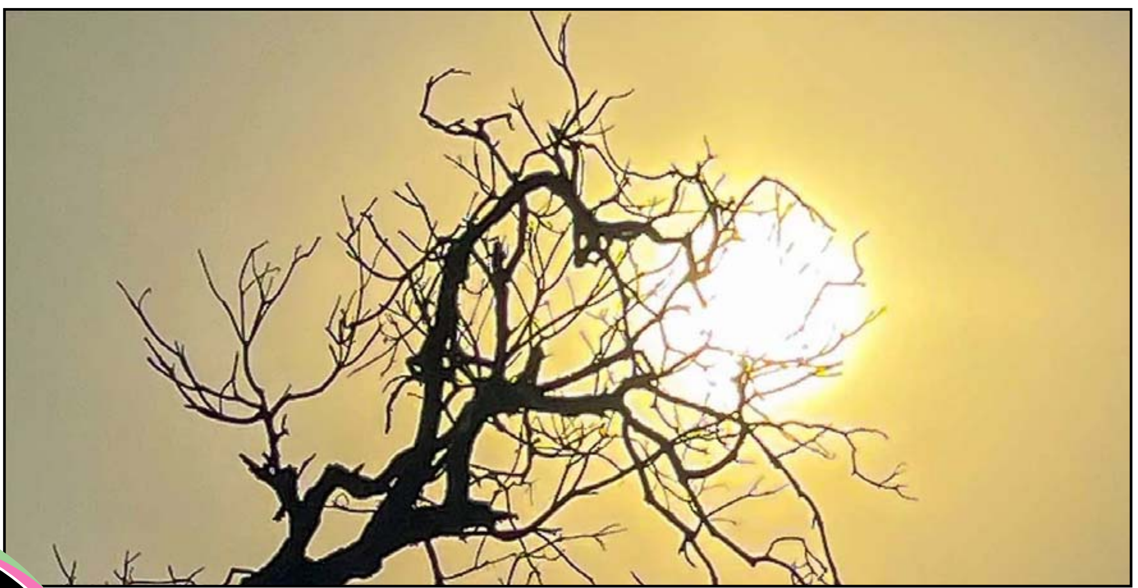

विदेशियों का तो पता नहीं लेकिन विश्वगुरुओं के देश में, पता नहीं कैसी कैसी चौरासी करोड़ योनियां भुगतने के बाद, सिर्फ एक बार ही मानव जीवन मिलता है। इस महा विरली योनी यानी मानव जन्म में जितनी हो सकती है, हम जी भर कर मनमानी कर रहे हैं। दूसरों के दुखों में सुखी होकर संतुष्टि पा रहे हैं। अपनी आने वाली कई पीढ़ियों के लिए धन इक्कठा कर रहे हैं।

हमारे ज्योतिषी विज्ञान की बातें कर कर लोगों को रिझा रहे हैं उधर हम से बहुत छोटे देश जापान के वैज्ञानिक डरावने वाली बड़ी-बड़ी भविष्यवाणी कर रहे हैं। उनका कहना है कि धरती पर जीवन, एक दिन खत्म हो जाएगा। उनकी बातें सुनकर डर लगने लगा है। वे कह रहे हैं कि सूर्य की उर्जा और तापमान बढ़ता जाएगा। एक समय आएगा जब सूर्य का आकार इतना बड़ा हो जाएगा कि बुध, शुक्र और पृथ्वी को निगल जाएगा। कितनी गलत बात है।

हमारे ज्योतिषी विज्ञान की बातें कर कर लोगों को रिझा रहे हैं उधर हम से बहुत छोटे देश जापान के वैज्ञानिक डरावने वाली बड़ी-बड़ी भविष्यवाणी कर रहे हैं। उनका कहना है कि धरती पर जीवन, एक दिन खत्म हो जाएगा। उनकी बातें सुनकर डर लगने लगा है।

फिलहाल हमें बुध और शुक्र से कुछ लेना देना नहीं है। हमारे पास अपना ही बहुत कुछ है जिसे हम संभाल नहीं पा रहे। लेकिन सूरज महाराज को चाहिए कि पृथ्वी पूरी न निगलें। कम से कम हमारा देश रहने दें। सूर्यजी पता ही होगा कि हजारों साल से हम उनको भगवान का दर्जा देते हैं उनकी पूजा करते हैं। सुबह सुबह सूर्यदेव को जल चढ़ाने की समृद्ध परम्परा है। वह बात अलग है कि हम दिन रात मेहनत कर, भागदौड़ कर, जुगाड़ कर सफल होने के लिए अनैतिक रास्ते इख्तियार करते हैं। कई तरह के पाप कर धार्मिक अनुष्ठान करवाते हैं। मेहनत से की गई हेराफेरी की कमाई का हिस्सा भगवान् को भी उपहार देते हैं।

चांद पर बसने का ख्वाब, अरबों खरबों खर्चने के बाद भी अभी तो पूरा नहीं हुआ। हमारे पास वहां के चित्र, मिटटी और छोटी मोटी चट्टानें हैं। वह बात दीगर है कि कुछ लोगों ने वहां प्लाट भी खरीद लिए हैं। शायद नक्शे भी बनवा लिए होंगे। अब कह रहे हैं कि पृथ्वी पर बढ़ रहे तापमान, जलवायु के खतरे से मौसम चक्र बिगड़ने के कारण कुदरती आपदाएं बढ़ रही हैं। महा मुसीबत के समय में अगर धरती छोड़कर जाना ही पड़ा तो मंगल ग्रह ही सबसे उपयुक्त रहेगा। संभवत तभी वहां जीने के ख्वाब उगाए जा रहे हैं।

वर्तमान बारे सोचना खतरों से खाली नहीं है। शक्तिशाली देश, लड़ते हुए दुनिया बर्बाद करने में सहयोग दे रहे हैं। जबरदस्त मारक हथियार उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धि ने नैसर्गिक बुद्धि पर कब्जा कर लिया है। नेता विकास के पीछे बिना हाथ धोए पड़े हैं। वैसे ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। वैज्ञानिकों के अनुसार धरती पर जीवन एक अरब, दो हजार इक्कीस साल बाद खत्म होगा। पृथ्वी को निगलने में अभी पांच अरब साल लगेंगे। तब तक हम सूरज को मना ही लेंगे। **– संतोष उत्सुक**

राशिफल

वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक के रखें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान में दूरी रहेगी। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। कलह से बचें। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। एक व्यावसायिक ऊर्जा में आप में बनी रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ और व्यापार भी अच्छा होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति थोड़ी सी मानसिक रूप से बहुत अच्छी नहीं। अज्ञात भय सताएगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा का योग बनेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। व्यापारिक सफलता मिलेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम संतान का साथ।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान भी मध्यम है। व्यापार लगभग ठीक चल रहा है। सूर्य को जल देते रहें।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य प्रेम व्यापार अच्छा दिख रहा है।

खास खबर

पाक में बंदूकधारियों ने कई इमारतों में लगाई आग

क्वेटा। भारत में आतंक फैलाने वाले पाकिस्तान के हालात भी खराब हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने का लिंक सामने आया था, लेकिन वह खुद आंतरिक संघर्ष से परेशान है। सिंध में पानी के बंटवारे के लिए हाहाकार मचा है और लोगों ने हाईवे जाम कर दिए हैं। इस बीच बलूचिस्तान के कलात में हमला हुआ है। यहां क्वेटा कराची हाईवे को बंदूकधारियों ने जाम कर दिया। यही नहीं मौके से गुजर रहे वाहनों को भी नुकसान भी पहुंचाया। यह घटना कलात जिले के मोंगोचार इलाके में हुई है। यहां लोगों ने कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया। इन इमारतों में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान का ऑफिस, स्थानीय अदालत समेत कई विभागों के कार्यालय शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस अग्निकांड में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। खबर है कि पाकिस्तान के एक आर्मी कैंप पर भी हमला हुआ, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

इमरान की पार्टी के 82 कार्यकर्ताओं को जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 82 कार्यकताओं को पिछले साल हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। बता दें इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 26 नवंबर 2024 को हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद 1500 से ज्यादा पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने सरकार पर पार्टी संस्थापक इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन किया था। इमरान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 82 आरोपियों को दोषी माना और उन्हें चार-चार महीने की सजा और 15-15 हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई।

कॉलेज में अज्ञात ने की फायरिंग, 2 महिलाएं घायल

इंगलवुड। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक कॉलेज में अचानक फायरिंग होने लगी। गोली 2 महिलाओं को लगी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक ही हालत काफी गंभीर है। इंगलवुड के मेयर के मुताबिक यह घटना शुक्रवार शाम की है। स्पार्टन कॉलेज ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड टेक्नोलॉजी परिसर में अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। घटना में 2 महिलाओं को गोली लगी। गोलीबारी किसने चलाई? इसकी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। प्रशासन को यकीन नहीं हो रहा है कि आरोपी कॉलेज में ही कहीं छिपा है। पुलिस ने कॉलेज के सभी कमरों की जांच की। लेकिन अभी तक आरोपी का पता नहीं चला है।
बता दें यह फायरिंग कॉलेज के ऑफिस में हुई। ऐसे में पुलिस को शक है कि इसके पीछे किसी कर्मचारी का हाथ हो सकता है। यह कार्यस्थल पर हिंसा की घटना है। घायल महिलाएं भी कॉलेज की कर्मचारी हैं। ऐसे में मुमकिन है कि किसी पूर्व कर्मचारी ने इस घटना को अंजाम दिया हो। फायर विभाग ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि गोली लगने के कारण दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुरंग के सहारे भारत में आतंकियों के दाखिल होने की आशंका

एजेंसी
नई दिल्ली। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकियों की घुसपैठ के लिए सुरंगों का इस्तेमाल करता रहा है। जम्मू कश्मीर के बॉर्डर वाले इलाकों में पहले भी ऐसी कई सुरंगें मिली थीं, जिन्हें पाकिस्तानी सेना और आतंकी संगठनों ने मिलकर बनाया था। एनआईए को शक है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी भी ऐसी ही किसी सुरंग से भारत में दाखिल हुए होंगे। बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की जांच में जुटी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि एनआईए की टीम जल्द ही भारत-पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा के संवेदनशील इलाकों में पहुंच सकती है, जहां से आतंकियों की घुसपैठ की आशंका जताई जा रही है। इन इलाकों में माछिल, केरन, नौगाम, बारामूला, और ऊरी जैसे संभावित घुसपैठ पॉइंट्स शामिल हैं। इसके साथ ही, एनआईए उन सुरंगों की भी जांच कर रही है, जिसे लेकर माना जा रहा है कि आतंकियों ने भारत में घुसने के लिए इसे खोदा होगा।
सूत्रों के मुताबिक, पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों ने बॉर्डर पार करने के लिए सुरंगों का इस्तेमाल किया हो सकता है। एजेंसी ने भारत-पाक सीमा पर कुछ संदिग्ध पॉइंट्स को चिह्नित किया है, जिनमें माछिल, केरन, नौगाम, बारामूला, और ऊरी शामिल हैं। इन इलाकों में आतंकियों की घुसपैठ की आशंका को देखते हुए एनआईए की टीम जल्द ही यहां जांच शुरू कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि संभावित सुरंगों की तलाश और घुसपैठ के रास्तों की पहचान जल्द की जा सकती है। पहलगाम हमले की जांच में एनआईए हर पहलू को बारीकी से देख रही है। इसमें टेक्निकल और फॉरेंसिक जांच भी शामिल है। एनआईए ने पहले ही बैसरन घाटी में कई सबूत जुटाए हैं, और अब जांच का दायरा भारत-पाक सीमा तक बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस ने दुर्लभ सांप की तस्करी करने वाले 3 लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी
देहरादून। अंतरराष्ट्रीय संरक्षित पशुओं के तस्कर गिरोह लाडवा गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने गैंग के लोगों के कब्जे से एक जीवित सांप, संरक्षित प्रजाति को बरामद किया है। इस सांप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। गिरोह के सदस्यों द्वारा तांत्रिक क्रियाओं के लिए भारी कीमत पर बेचने के उद्देश्य से इस सांप की तस्करी की जा रही थी।
एसएसपी देहरादून को तांत्रिक क्रियाओं के लिए प्रयोग में आने वाले दुर्लभ प्रजाति के सांप को बेचने संबंधी सूचना मिली थी। सूचना देने वाले ने बताया कि हरियाणा के एक वन्य जीव तस्कर गिरोह लाडवा गैंग के तीन सदस्य नहर रोड स्थित कूड़ा घाटी मार्ग विकासनगर पर एक बिना नंबर की सफेद स्विफ्ट में सवार हैं। उनके पास दो मुंह वाला सांप है। ये सांप अंतरराष्ट्रीय संरक्षित पशु के अंतर्गत आता है। इस पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर अनिल, अशोक और संदीप कुमार को गिरफ्तार किया और वाहन भी जब्त कर लिया है। इनके वाहन की तलाशी ली गई तो पिछली सीट पर एक बैग मिला। बैग खोलने पर पता चला कि उसमें एक जीवित दो मुंह का सांप है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश का येलो अलर्ट, 8 तक मौसम खराब रहने का अंदेशा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह तेज आंधी और झमाझम बारिश ने जहां तापमान में जबरदस्त गिरावट दर्ज की, वहीं जनजीवन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसी के साथ भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को भी बारिश और तेज हवाओं के लिए येलो अलर्ट जारी किया। शंका जाहिर की गई है कि ऐसा मौसम आगामी 08 मई तक बना रह सकता है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली में बीते 24 घंटों में 77 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जो मई महीने की औसत 30.7 मिमी बारिश से कहीं अधिक है। इससे अधिकतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। तूफानी हवाओं और तेज बारिश के चलते सड़क और हवाई यातायात पर भी असर पड़ा, कई उड़ानें विलंब से रवाना हुईं। शनिवार को मौसम विभाग ने गरज के साथ हल्की बारिश और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार सुबह 6:30 बजे तक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 127 रहा, जो ह्यमध्यमह्न श्रेणी में आता है। हालांकि, कुछ इलाकों में एक्यूआई 200 के पार भी गया। आईजीआई एयरपोर्ट पर सबसे अधिक 275 और मुंडका में 223 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के 10 इलाकों में एक्यूआई 100 से नीचे रहा, जिनमें मंदिर मार्ग (66), एनएसआईटी द्वारका (87), पूसा (97) और लोधी रोड (87) शामिल हैं। वहीं, आनंद विहार (140), अशोक विहार (173), वजीरपुर (187), रोहिणी (147) और जहांगीरपुरी (187) जैसे क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता अभी भी खराब श्रेणी के करीब है।

बिल गेट्स एस्पर्जर सिंड्रोम की बीमारी के शिकार

न्यूयॉर्क। बिल गेट्स के बेटे फोएबी गेट्स ने अपने पिता की बीमारी के बारे में जानकारी देते हुए कहा, उनके पिता बिल गेट्स को एस्पर्जर सिंड्रोम की बीमारी हो गई है। पाडकास्ट में खुलासा करते हुए उसने कहा, उसके डेड बहुत बुद्धिमान है। इसके बाद भी इस बीमारी के कारण समय-समय पर सर्वजनिक रूप से अटपटा व्यवहार करने लगते हैं। बिल गेट्स सारी दुनिया के सबसे धनी मानी लोगों की सूची में शामिल हैं। पहली बार उनकी बीमारी के बारे में स्वयं उनके लड़के ने जानकारी दी है। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगने लगी है। इस बीमारी की खबर से बिल गेट्स के व्यवसाय और उनके आगे के जीवन में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

फाजिल हत्याकांड का मुख्य आरोपी सुहास की हत्या

एजेंसी
बेंगलुरु। हाई-प्रोफाइल फाजिल हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुख्यात बदमाश एवं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की मंगलुरु में अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। घातक हथियारों से लैस हमलावरों ने गुरुवार रात उसके वाहन पर घात लगाकर हमला किया और उसे गंभीर चोटें पहुंचाईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान सुहास ने दम तोड़ दिया।
कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने दक्षिण कन्नड़ के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि सुहास शेट्टी हत्याकांड के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कुख्यात बदमाश एवं विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता शेट्टी की गुरुवार को बाजपे पुलिस थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार हत्या कर दी। शेट्टी, सूरतकल में जुलाई 2022 के फाजिल हत्याकांड का मुख्य आरोपी था। इस घटना के बाद बीजेपी के निशाने पर आए राज्य के गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर हत्याकांड की जांच और क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए शनिवार को मंगलुरु पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने दावा किया कि हत्याकांड में शामिल अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परमेश्वर ने क्षेत्र के लोगों से शांति बनाये रखने की अपील की।

गाजा के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे जहाज पर ड्रोन से हमला

एजेंसी
गाजा। गाजा के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे एक जहाज पर माल्टा समुद्र तट के पास ड्रोन से हमले किये गए। पोत परिवहन का संचालन करने वाले समूह ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हमले के कारण जहाज पर आग लग गई लेकिन उसपर काबू पाया गया। माल्टा सरकार ने कहा कि कॉन्शन्स नाम के जहाज पर चालक दल के 12 सदस्य और चार आम लोग सवार थे। सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है। फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन ने अपने जहाज पर हमले के लिए इजराइल पर आरोप लगाया है। हालांकि इस बारे में सबूत नहीं दिया कि ड्रोन से किये गए हमलों के कारण आग लगी, लेकिन इसके द्वारा साझा किये गए एक वीडियो में एक विस्फोट की आवाज सुनी जा सकती है। एक अन्य वीडियो में आग की लपटें देखी जा सकती हैं। इजराइली सेना ने कोई बयान नहीं दिया है। इजराइल ने दो महीने से गाजा में किसी भी तरह की मानवीय सहायता पर रोक लगा रखी है। इससे गाजा में लगभग 19 महीने से जारी युद्ध में भीषण मानवीय संकट पैदा हो गया है। यह घटना तब समय में हुई है जब मानवीय सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि गाजा में यह (मानवीय सहायता सामग्री) खत्म होने के कगार पर है।

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक यूएफओ यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की तस्वीर सामने आने से सनसनी मच गई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे ग्रह से यह 1000 फुट का विमान पृथ्वी पर आया। यह अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के ऊपर देखा गया। तस्वीर को यूएफओ डिस्क्लोजर एक्टिविस्ट्स द्वारा वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक साइंस, नेशनल सिक्योरिटी एंड इनोवेशन नामक पैनल डिस्कशन के दौरान पेश किया गया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि इस उड़न तश्तरी के आकार की दिखने वाली चीज की बड़ी सी परछाई जमीन पर नजर आ रही है।

सपा प्रमुख कर रहे 2027 के चुनाव की तैयारी

▸ पार्टी कार्यालय में रोज लग रही मीडियाकर्मी और नेताओं की भीड़

एजेंसी
लखनऊ। यूपी में समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जी-जान से जुट गई है। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में कुछ दिनों से मीडियाकर्मियों और नेताओं की भीड़ लगी है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव रोज मीडिया से मुखाबित हो रहे हैं। इस दौरान वह बीजेपी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अखिलेश ने बीजेपी पर हमले तेज कर दिए हैं।
अखिलेश का पूरा फोकस पीडीए पर है जिसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक शामिल हैं। साथ ही कई जिलों में सरकारी नियुक्तियों के बारे में उनका दावा है कि ये जाति के आधार पर तय होती हैं। सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी के सांसद, विधायक और कार्यकर्ता राज्य के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर मुसलमानों, ओबीसी और दलितों से संपर्क कर रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में अखिलेश ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, जिसमें पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन पर करणी सेना के सदस्यों द्वारा हमला, राजपूत आइकन महाराणा प्रताप पर कथित अपमानजनक टिप्पणी और पहलगाम आतंकी हमले जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। सपा के फ्रंटल बॉडी, समाजवादी लोहिया वाहिनी द्वारा लगाए गए एक पोस्टर पर विवाद के बाद जिसमें आधे हिस्से में अखिलेश के साथ बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर लगी थी, उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पार्टी कार्यकताओं से सपा नेताओं की तुलना किसी भी प्रमुख व्यक्तित्व से नहीं करने की अपील की। बीजेपी और बसपा ने पोस्टर को लेकर सपा पर निशाना साधा और इसे अंबेडकर का अपमान बताया था।

पृष्ठ एक के शेष....

एनईए के 48वें स्थापना दिवस....
एन.पी. सिंह, अशोक श्रीवास्तव जनपद के विभिन्न विभागों से आये अधिकारियों एंव सभी उद्यमियों का सुन्दरकांड पाठ में आने पर धन्यवाद करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।
श्री मल्हन ने कहा कि आप सभी के सहयोग से इस नवनिर्मित सभागार का सौर्दयीकरण किया जा सका। श्री मल्हन ने कहा कि नए भवन में भविष्य में विभिन्न विभागों के सेमीनार आयोजन किये जाएगें जिससे उद्यमियों को विभाग से संबधित जानकारी दी जा सकेगी।
इस अवसर पर एन0ई0ए0 महासचिव वी0के0सेठ, वरि0 उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, राकेश कोहली, मुकेश कक्कड, कोषाध्यक्ष शरद चन्द्र जैन, सह. कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, उपाध्यक्ष मोहन सिंह, मौ0 इरशाद, सुधीर श्रीवास्तव, आर.एम. जिंदल, अजय सरीन, सचिव कमल कुमार, आलोक गुप्ता, राहुल नैययर, राजन खुराना, मयंक गुप्ता, विरेन्द्र नरूला, सह सचिव जी0के0बंसल, योगेश आनन्द, पियूष मंगला, सुश्री नीरू शर्मा, अजय अग्रवाल, असीम जगिया, अनिल अग्रवाल, सहित भारी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे।

जिला जज मलखान सिंह ने ....
इस अवसर पर जिला जज को बार एसोसिएशन की समस्याओं और उनको निस्तारण के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला जज मलखान सिंह द्वारा भी सकारात्मक तरीके से बार और बैंच के मध्य समन्वय स्थापित कर सभी समस्याओं को निस्तारण कराने में पूर्ण सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया गया।
इस मौके पर मुख्य रूप से अजीत भाटी, चरण सिंह भाटी, महेश गुप्ता, ओमकार नागर, प्रमोद शर्मा, कपिल शर्मा, श्याम सिंह भाटी, नीरज भाटी, अरविंद कुमार, पवन भाटी, विशाल नागर, राजीव भाटी, अमीरूदिन, सविता, सत्येंद्र खारी, अरूण नागर आदि अधिवक्ता शामिल थे।

भारतीय सेना को मिली.....
नई Igla-S मिसाइलों की तैनाती के साथ ही सेना ने 48 नए लॉन्चर और 90 अतिरिक्त मिसाइलों की खरीद के लिए भी निविदा जारी कर दी है। साथ ही सेना अब लेजर बीम-राइडिंग VSHORADS सिस्टम को भी जल्द ही हासिल करने की योजना बना रही है।
गौरतलब है कि Igla-S, पुराने Igla मिसाइल सिस्टम का एडवांस वर्जन है, जो 1990 के दशक से भारतीय सेना में उपयोग में रहा है। सेना ने अपने पुराने मिसाइल स्टॉक को भी भारत की एक कंपनी के माध्यम से अपग्रेड और मरम्मत करवाया है।
पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान सेना द्वारा ड्रोन के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए भारतीय सेना को बेहतर ड्रोन पहचान और नष्ट करने की तकनीक की आवश्यकता है। इसी कड़ी में सेना ने स्वदेशी इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (IDDIS) मार्क-1 को तैनात किया है, जो 8 किलोमीटर से अधिक दूरी तक ड्रोन को पकड़, जाम और नष्ट कर सकता है।
इस सिस्टम में लेजर तकनीक भी लगी हुई है, जो ड्रोन को जलाकर गिरा सकती है। हाल ही में जम्मू क्षेत्र के 16 कॉर्प्स एरिया में सेना ने इसी तकनीक से एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था इसके साथ ही, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने भी एक नई और लंबी दूरी की डायरेक्ट एनर्जी वेपन विकसित की है, जो बड़े ड्रोन, क्रूज़ मिसाइल और विमानों को युद्ध के समय नष्ट कर सकती है। सेना को जल्द ही कम ऊंचाई पर उड़ने वाले दुश्मन के विमानों और ड्रोन को जल्दी पकड़ने वाले रडार सिस्टम भी मिलने हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा सूचना सं. 01 वर्ष 2025-26
अधोलिखित कार्यों के लिए मुहरबन्द खुली निविदाएँ भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मण्डल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:- **कार्यों का विवरण :** 1. इज्जतनगर मंडल के प्रतिबंधित दृश्यता वाले 05 नं. समपार फाटकों पर इन्टरलॉकिंग, **अनुमानित लागत :** ₹ 1,73,47,108.52, **बयाना राशि :** ₹ 2,36,700/-, **कार्य समापन अवधि :** 9 माह, **ई-निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 23.05.2025 को 11:00 बजे।
• पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।
वरि. मण्डल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर,
मुजाधि/सिगनल-08 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

फूल मंडी को गल्ला मंडी मे बदलने की माँग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित फूल मंडी में डिप्टी डायरेक्टर मंडी प्रशासन लखनऊ चंदन पटेल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नोएडा फूलमंडी स्थित दुकानों के आवंटियों के साथ मीटिंग रखी गयी।

बैठक में फूल मंडी को कैसे फल एवं सब्जी मंडी में स्थानांतरित किया जाए और किस प्रकार से लंबे समय से बंद पड़ी मंडी पुन: चालू किया जा सके इसके बारे में विस्तार से चर्चा हुई।
मंडी में आवंटियों की तरफ से नोएडा फ्लावर कमीशन एजेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय चौधरी और सचिव यतेंद्र कसाना ने अपनी बात रखी। डायरेक्ट मंडी ने सभी समस्याओं के निस्तांतरण का आश्वासन दिया साथ ही फूल मंडी में लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए कैंप लगाकर समाधान करने का अश्वासन दिया है।
दुकान आवंटियों ने बताया कि 2008 में दुकानों का आवंटन बोली के माध्यम से किया गया था लेकिन उसके बाद से आज तक भी वहाँ फूलों के आवक ना होने के कारण मंडी नहीं चल पाई है जिससे मंडी अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाई है।
बैठक में डीडी मंडी मेरठ, अमरीश कुमार सभापति नोएडा मंडी, विवेकानंद मिश्रा मंडी सचिव, पंकज शर्मा, बलराज नागर, विकल भाटी, हरी दादू, मनोज नागर, तस्लीम आदि उपस्थिति रहे।

खास खबर

चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर

नई दिल्ली। चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर दिखने लगा है। वर्षों से जारी व्यापार युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने चीन की औद्योगिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। चीन की औद्योगिक सेहत को मापने वाले पीएमआई अप्रैल 2025 में 49 पर आ गया है, जो मार्च में 50.5 था। यह संकेत देता है कि अमेरिकी टैरिफ चीन की अर्थव्यवस्था पर धारा है। चीन के तांबे के भंडार की कमी और नए संभावित टैरिफ के भय से उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का तांबा जून तक खत्म हो सकता है। चीन ने किसी अमेरिकी उत्पादों को टैरिफ से मुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें दवाइयां, सेमीकंडक्टर चिप्स और एयरक्राफ्ट इंजन शामिल हैं। अर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 3.5% तक सिमट सकती है, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहद कम है। उद्योगों में अन्याय से लड़ने के लिए चीन ने सख्त कदम उठाने की योजना बनाई है।

भारत ने पाकिस्तान से आयात-निर्यात पूरी तरह से बंद किया

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस कदम से भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंध पूरी तरह से बंद हो गए हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि इस प्रतिबंध को विदेश व्यापार नीति 2023 में एक नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात अगले आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लेने की बात कही है। इस प्रतिबंध का मतलब यह है कि अब पाकिस्तान से किसी भी वस्तु का आयात भारत में नहीं हो सकेगा, और अगर कोई अपवाद होता है तो भारत सरकार की मंजूरी के बिना कोई भी आयात नहीं किया जा सकेगा।

जीएसटी कलेक्शन में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की

रायपुर। अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रहण में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ ने 4,135 करोड़ का जीएसटी संग्रहण कर देश के शीर्ष 15 राज्यों की सूची में अपनी जगह बनाई है। जीएसटी संग्रहण के मामले में छत्तीसगढ़ ने केरल, पंजाब, बिहार और खनिज संसाधनों से भरपूर झारखंड जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। राज्य में इस आर्थिक प्रगति को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा व्यापार और उद्योग क्षेत्र में किए गए सशक्त सुधारों का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते 15 महीनों में राज्य सरकार ने ऐसे कई निर्णय लिए हैं, जिनसे निवेश और व्यापार को बढ़ावा मिला है। गैर-जरूरी और बाधक कानूनों की समाप्ति, सभी जरूरी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता, पेट्रोल पंप खोलने के लिए लाइसेंस की बाध्यता को समाप्त करना और उद्योगों की स्थापना के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना शामिल है।

एप्पल ने दुनिया के कई देशों में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की

एजेंसी

मुंबई। एप्पल ने जनवरी-मार्च तिमाही में भारत सहित दुनिया के कई देशों में रिकॉर्ड ग्रोथ दर्ज की है। साथ ही कंपनी दुनियाभर में नए रिटेल स्टोर शुरू करने की योजना बना रही है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, तिमाही के दौरान एप्पल ने दो नए रिटेल स्टोर शुरू करेगा। हम यूएई में एक नया रिटेल स्टोर, सउदी अरब में ऑनलाइन स्टोर और वर्ष के अंत में भारत में नए रिटेल स्टोर शुरू करने वाले है। सॉफ्टवेयर में एप्पल ने अभी आईओएस 18.4 जारी किया है, इसमें एप्पल इंटेलिजेंस को फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली, स्पेनिश, जापानी, कोरियाई और चीनी सहित अधिक भाषाओं में पेश किया है। मार्च तिमाही में एप्पल की आय 95.4 अरब डॉलर रही है। इसमें सालाना आधार पर 5 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है। प्रति शेयर आय 1.65 डॉलर रही है। इसमें सालाना आधार पर 8 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। कुक ने कहा, एप्पल ने मजबूत तिमाही नतीजे जारी किए हैं, इससे सर्विसेज में दोहरे अंकों की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, हमें अपने प्रोडक्ट लाइनअप में आईफोन 16ई को जोड़ा है और एप्पल सिलिकॉन की असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाने वाले शक्तिशाली नए मैक और आईपैड पेश किए हैं और हमें यह घोषणा कर गर्व हो रहा है कि कंपनी ने बीते एक दशक में अपने कार्बन उत्सर्जन में 60 प्रतिशत की कटौती की है। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने कहा कि मार्च तिमाही में ईपीएस में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और ऑपरेशनल कैश फ्लो 24 अरब डॉलर रहा, जिससे कंपनी शेयरधारकों को 29 अरब डॉलर लौटा सकी है।

श्याओमी टॉप 5 से बाहर, एप्पल इंक पहुंची शीर्ष स्थान पर

मुंबई। चीन की दिग्गज श्याओमी जो कभी भारतीय बाजार में प्रमुख कंपनी थी, 2016 की पहली तिमाही के बाद से पहली बार मूल्य हिस्सेदारी के लिहाज से शीर्ष 5 से बाहर हो गई है। दूसरी तरफ कुपर्टिनो मुख्यालय वाली ऐपल इंक दूसरी तिमाही के दौरान मूल्य के लिहाज से शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन की थोक बिक्री में अब इसकी हिस्सेदारी एक-चौथाई (26 प्रतिशत) है। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी। उसने अपनी सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धियों - सैमसंग, वीवो, ओपो और श्याओमी को पछाड़ दिया है। इन ब्रांडों ने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के दौरान दो-दो प्रतिशत अंक गंवाए, जो ऐपल इंक की कुल बढ़त है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में सैमसंग शीर्ष पर थी। उसके बाद ऐपल, फिर वीवो, ओपो और श्याओमी का स्थान था। शीर्ष 10 में केवल दो ब्रांड ही बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रहे हैं। मोटोरोला ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में अपनी मूल्य हिस्सेदारी को दोगुना कर 4 प्रतिशत कर लिया और गूगल की हिस्सेदारी बढ़कर अब 2 प्रतिशत हो गई जो 2024 की पहली तिमाही में 1 प्रतिशत से भी कम थी। कार्ल पेई के नए ब्रांड नथिंग की हिस्सेदारी प्रचार के बावजूद कैलेंडर वर्ष 25 की पहली तिमाही में एक प्रतिशत रही। इससे पहले कार्ल पेई ने वन प्लस ब्रांड खड़ा किया था।

हुंडई ने की 90 लाख यूनिट्स की घरेलू बिक्री

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने पहली बार 90 लाख यूनिट्स की घरेलू बिक्री का आंकड़ा पार किया है। हुंडई ने अप्रैल 2025 में कुल 60,774 यूनिट्स की बिक्री की। इसमें से 44,374 यूनिट्स घरेलू बाजार में बेचीं गईं। कंपनी ने 16,400 यूनिट्स का निर्यात हुआ। इसके साथ ही, निर्यात में 21.5प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो कंपनी की मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड रणनीति की सफलता को दिखाता है। जनवरी से अप्रैल 2025 के बीच, हुंडई ने अपने निर्यात में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कंपनी की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मांग को दर्शाता है। हुंडई मोटर इंडिया के सीओओ तरुण गर्ग ने इस अवसर पर कहा कि 6 मई को कंपनी भारत में अपने 30वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और 90 लाख यूनिट्स की घरेलू बिक्री कंपनी के लिए गर्व का क्षण है। कंपनी ने भविष्य की योजनाओं पर भी बात की। कंपनी के अनुसार, पुणे के पास टेलगांव में एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट 2025 की चौथी तिमाही से संचालन शुरू करेगा।

एसएंडपी ने भारत की विकास दर का अनुमान 6.3 फीसदी रखा

▶ वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6.5 फीसदी तक पहुंच सकती है विकास दर

एजेंसी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें भारत की विकास दर का अनुमान 6.3 फीसदी पर रखा है, जो कि 2026-27 वित्तीय वर्ष में 6.5 फीसदी तक पहुंच सकता है। यह भारत के लिए एक अच्छी खबर है क्योंकि इसका अर्थ है कि देश विश्व अर्थव्यवस्था में अमेरिका और यूरोप के साथ बहस्ती नजर आएगा। हालांकि, इस समय भारत को कई उत्तराधिकारीता से गुजरना होगा, लेकिन उम्मीद है कि देश इस चुनौती से निपटकर अगले स्तर पर बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने दुनिया भर में ट्रेड पॉलिसी में होने वाले बदलाव के असर को भी ध्यान में रखते हुए अपनी रिपोर्ट जारी की है। उन्होंने यह भी कहा है कि ट्रेड वॉर ग्लोबल इकनॉमी को हानि पहुंचा सकता है, और इससे संरक्षणवादी नीतियों के कारण कोई भी विजेता नहीं होगा। इस संदर्भ में, एशिया-प्रशांत क्षेत्र की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में चीन की वृद्धि दर की कमी का भी संकेत मिल रहा है। समाज में इस रिपोर्ट का प्रभाव अमेरिका को भी महसूस होगा, क्योंकि अमेरिका दुनिया की अर्थव्यवस्था का केंद्र है। इसलिए, अमेरिका में होने वाले किसी भी बड़े बदलाव से अन्य देशों को भी प्रभावित होने की संभावना है। भारत की विकास दर की अद्यतन जानकारी और विस्तृत विश्लेषण से सामाजिक विचारकों और नीति निर्माताओं को एक सटीक चित्र प्राप्त होगा कि देश किस दिशा में आगे बढ़ रहा है और किस चुनौतियों का सामना कर रहा है।

होम क्रेडिट इंडिया ने ग्रीष्मकालीन ब्रैंड अभियान शुरू किया

एजेंसी

रांची। एक प्रमुख उपभोक्ता वित्त कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने अपना नवीनतम ब्रैंड अभियान - अपग्रेड करें लाइफ के सीन्स लॉन्च किया है। उपभोक्ताओं की आकांक्षा के अनुसार उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, यह अभियान घरेलू उपकरणों के लिए ब्रैंड के किफायती, तेज, तकनीक-सक्षम और लचीले वित्तीय समाधानों की आसानी और सुविधा के बारे में बताता है। नया अभियान यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स और लिंक्डइन सहित डिजिटल प्लैटफॉर्म पर लाइव है। गर्मियों से जुड़े या ग्रीष्मकालीन परिदृश्यों पर आधारित इस अभियान में दिखाया गया है कि कैसे एक नए एयरकंडिशन, रेफि जरेटर या कूलर की तरह एक छोटा लेकिन सार्थक अपग्रेड मुश्किल और असुविधा को आराम में बदल सकता है और दैनिक जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है। एक-दूसरे से जुड़े इन पलों को लघु फिल्मों की एक हल्की-फुल्की श्रृंखला के जरिए कैप्चर किया गया है जो दिखाती है कि कैसे होम क्रेडिट इंडिया के 'उज्ज्वल ईएमआई कार्डमेक' द्वारा संचालित आसान फाइनैंशियल समाधान जीवन को बेहतर बनाने के लिए उसे सुलभ और तनाव मुक्त बनाते हैं। मनोरंजन को भावनात्मक नजरिए के साथ मिलाकर, यह अभियान इस बात पर भी जोर देता है कि किसी उपकरण को अपग्रेड करना सिर्फ सुविधाओं से जुड़ा हुआ नहीं है।

विंडसर ईवी बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक कारों के बढ़ते बाजार में इस बार बाजी मारी है जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की नई पेशकश विंडसर ईवी ने। कंपनी ने घोषणा की है कि विंडसर ईवी ने लगातार सात महीनों से भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार का दर्जा प्राप्त किया है। इस इलेक्ट्रिक एमपीवी को सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था और इसके बाद से इसकी बिक्री अक्टूबर 2024 में शुरू हुई। तब से अब तक कंपनी ने इस कार की 20,000 से अधिक यूनिट्स बेच दी हैं, जो इसके बाजार में बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। कंपनी का कहना है कि विंडसर ईवी ने अपने लॉन्च के बाद से ही एक मजबूत स्थान बना लिया है और इसकी सफलता का कारण इसका नवाचार, आकर्षक डिजाइन, परफॉर्मेंस और किफायती मूल्य है। अप्रैल 2025 में कंपनी ने 5,829 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। विंडसर ईवी तीन वेरिएंट्स एक्साइट, एक्सक्लूसिव और इसेंस में उपलब्ध है।

सोनी सब के कलाकारों ने मनाया वर्ल्ड लॉफ्टर डे

एजेंसी

मुंबई। अपने हल्के-फुल्के और पारिवारिक मनोरंजन के लिए मशहूर चैनल सोनी सब लंबे समय से भारत भर के दर्शकों के लिए सुकून और मुस्कान का जरिया रहा है। रोजमर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी कहानियों से लेकर बेइंतहा हंसी से भरपूर शोज तक, इस चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रमों से जुड़े कलाकार 4 मई को मनाए जाने वाले वर्ल्ड लॉफ्टर डे के मौके पर उस एहसास को साझा करते हैं, जो हंसी को दर्शकों के घरों और दिलों तक पहुँचाने से जुड़ा है। 'तेनाली रामा' के कृष्णा भारद्वाज ने कहा, तेनाली रामा का किरदार शुरू से ही बुद्धिमत्ता और हल्के-फुल्के पलों से जुड़ा रहा है – यह याद दिलाता है कि समझदारी और हास्य एक साथ चलते हैं। 'वागले की दुनिया' की अभिनेत्री परीवा प्रणति ने कहा, हमारा शो रोजमर्रा की ज़िंदगी की खुशियों और चुनौतियों को दर्शाता है; और हास्य वहीं से आता है क्योंकि यह बेहद जुड़ावभरा होता है। 'वीर हनुमान' के अभिनेता आरव चौधरी ने अंत में कहा, जब बच्चे मुझे मुस्कुराते हुए केसरी कहकर बुलाते हैं, तब मुझे एहसास होता है कि हमारे निभाए गए किरदारों की भावनात्मक ताकत कितनी गहरी है। हंसी हमेशा जोरदार नहीं होती – कभी-कभी वो एक शांत दिलासा होती है। इस वर्ल्ड लाफ्टर डे पर सोनी सब न केवल एक अच्छी हंसी की शक्ति का सम्मान करता है, बल्कि ऐसे प्रेरणादायक किस्सों को भी आगे बढ़ाता है जो जोड़ते हैं, अपलिफ्ट करते हैं, और ऐसे किरदारों को सामने लाते हैं जो रोजमर्रा की ज़िंदगी में गर्मजोशी, हास्य और आशा लाते हैं।

मारुति सुजुकी कारों में अब छह एयरबैग मिलेंगे

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की सभी कारों में अब छह एयरबैग स्टैंडर्ड फीचर के रूप में मिलेंगे। अब कंपनी के हर मॉडल और वेरिएंट में यह सुरक्षा फीचर उपलब्ध होगा। मारुति सुजुकी के सीईओ आर. सी. भार्गव ने इस बात की पुष्टि की और कहा कि यह कदम ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इस बदलाव के बाद यह सवाल भी उठता है कि क्या कारों की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इस पर मारुति के चेयरमैन ने कहा कि भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को मजबूत करने के लिए छोटे कार सेगमेंट की वृद्धि जरूरी है, क्योंकि अधिकतर भारतीय ग्राहक 12 लाख रुपये से कम कीमत वाली कारों को ही खरीद सकते हैं। वर्तमान में छोटे कार सेगमेंट में 9 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि केवल 12 प्रतिशत खरीदार ही महंगी कारें खरीद सकते हैं। हालांकि, मारुति को अभी भी अपनी कुछ प्रमुख गाड़ियों जैसे बलेनो, फ्रॉन्क्स, एर्टिगा, इग्निस, एक्सएल6 और एस-प्रेसो को अपडेट करना बाकी है।

सैमसंग का क्यूएलईडी और 4के यूएचडी टीवी की नई रेंज लांच

एजेंसी

रांची/पटना। भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी नई एआई-पावर्ड क्यूएलईडी और क्रिस्टल क्लियर 4के यूएचडी टीवी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। ये टीवी अमेजन, फ्लिपकार्ट और सैमसंग डांट कांम पर उपलब्ध होंगे। एआई टेक्नोलॉजी के जरिए ये टीवी यूजर की पसंद और देखने के माहौल के अनुसार ऑडियो-वीडियो को खुद-ब-खुद कस्टमाइज कर लेते हैं। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को मुफ्त चैनलों की विस्तृत रेंज भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस संबंध में सैमसंग इंडिया के सीनियर डायरेक्टर विप्लेश डांग ने कहा कि हम ऐसे इनोवेटिव प्रोडक्ट्स ला रहे हैं जो घरेलू मनोरंजन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। नई रेंज में प्रमुख रूप से शामिल हैं: क्यूएलईडी सीरीज क्यूईएफ1, जो एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजी से लैस है, और यूएचडी सीरीज यूएफ81, यूएफ84, यूएफ86, जो अल्ट्रा क्लियर पिक्चर क्वालिटी, जीवंत रंग और शानदार डिटेल्स के साथ देखने का अनुभव देती हैं। क्यूएलईडी टीवी में ट्रू क्वॉटम डॉट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जो न केवल शानदार रंग सटीकता देती है, बल्कि यह कैडमियम मुक्त भी है, जिससे ये टीवी अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

आईजीएल ने ग्राहकों को दिया झटका, सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) को एक बार फिर महंगा कर दिया है। कंपनी ने आज सीएनजी की कीमत में प्रति किलोग्राम एक रुपये की बढ़ोतरी कर दी। कीमत में हुई बढ़ोतरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में 1 किलोग्राम सीएनजी की कीमत 77.09 रुपये हो गई है, जबकि पहले इसकी कीमत 76.09 रुपये प्रति किलोग्राम थी। आईजीएल की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार कीमत में बढ़ोतरी होने के बाद दिल्ली के अलावा नोएडा में सीएनजी 85.70 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर मिल रहा है। इसी तरह गाजियाबाद में भी सीएनजी की कीमत 85.70 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसके अलावा गुरुग्राम में सीएनजी 83.12 रुपये प्रति किलोग्राम, कानपुर में 89.92 रुपये प्रति किलोग्राम और मेरठ में 87.08 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर मिल रहा है।

विक्रांत मैसी व शनाया कपूर स्टारर आंखों की गुस्ताखियां 11 जुलाई होगी रिलीज

एजेंसी

मुंबई। आंखों की गुस्ताखियां के साथ बॉलीवुड में नए रोमांस की लहर आने वाली है। इस फिल्म में प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी के साथ खूबसूरत शनाया कपूर नजर आएंगी। ये फिल्म अपनी भावनात्मक गहराई, दिल को छू लेने वाली कहानी, और विक्रांत-शनाया की शानदार केमिस्ट्री के साथ आप सबका दिल जीतने का वादा करती है। इस फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। ये फिल्म 11 जुलाई 2025 को पर्दे पर रोमांस का एक नया चैप्टर शुरू करने वाली है। इस फिल्म को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट है, जिसका एक कारण शनाया कपूर भी हैं। दरअसल शनाया, संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं और इस फिल्म के साथ अपना मच अवेटेड बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं और फिल्म में वो बेहद प्रतिभाशाली विक्रांत मैसी के अपोजिट हैं, जिनकी परफॉर्मेंस हमेशा नेचुरल और दिल से जुड़ी होती हैं। इसके साथ ही ये एक ऐसी ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनाते हैं जो फ्रेश, यंग, और फुल ऑफ लाइफ है। कह सकते है ये एक ऐसी जोड़ी है जो आपको स्क्रीन से नजर हटाने ही नहीं देंगे। वहीं इनकी केमिस्ट्री भी इतनी रियल है कि लगता है जैसी कहानी में जान आ गई हो - एक टाइमलेस और मॉडर्न रोमांस का परफेक्ट कॉम्बो। आंखों की गुस्तखियां सिर्फ एक प्यार की कहानी नहीं है। इसमें दिल को छू जाने वाले इमोशन्स और विशाल मिश्रा का भावपूर्ण संगीत है, जो आपके दिल में बस जाएगा। हर नजर, हर पल, और हर सुर ऐसा लगेगा जैसे पहला प्यार फिर से जीने को मिल गया हो। जी स्टूडियोज और मिनी फि ल्म्स द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है मानसी बागला और वरुण बागला ने, और फिल्म को संतोष सिंह ने डायरेक्ट किया हैं और इसकी कहानी निरंजन अय्यंगर और मानसी बगला ने द्वारा लिखित है। इसका म्यूजिक विशाल मिश्रा ने दिया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर ये म्यूजिकल रोमांस 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजन फॉर महाराष्ट्र युवाओं को भविष्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की पुकार

एजेंसी

ठाणे/मुंबई। महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में अर्पण फाउंडेशन और सेवा और सहयोग संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विजन फॉर महाराष्ट्र 2047 कार्यक्रम प्लैनेट हॉलीवुड, ठाणे में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था आगामी दो दशकों में महाराष्ट्र के विकास के लिए युवाओं, विचारशील नेताओं और नवप्रवर्तकों को एक प्रभावी मंच प्रदान करना। ठाणे के हिरानंदानी एस्टेट के पूर्व नगरसेवक और सभी भाजपा नगरसेवकों के पूर्व प्रमुख मनोहर डुंबरे ने, साथ ही सेवा और सहयोग नामक पुरस्कारप्राप्त एन जी ओ के संस्थापक और युवा नेता आदित्य चौहान ने इस आयोजन का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम की संकल्पना उन्हीं के प्रयासों का परिणाम है। अर्पण फाउंडेशन की आधारशिला भावना डुंबरे ने भी आयोजन की प्रत्येक टप्पे पर सक्रिय भूमिका निभाई। बबल कम्युनिकेशन की डायरेक्टर आरती नोतियाल, जिनका इस कार्यक्रम के दृष्टिकोण से गहरा जुड़ाव है, उन्होंने 2011 में प्रसिद्ध विज्ञापन गुरू प्रहलाद कक्कर के साथ मिलकर बबल की सह-स्थापना की थी, और इस पहल में पूरे दिल से भाग लिया। इस कार्यक्रम में शिक्षा, टिकाऊ विकास, आधारभूत संरचना, तकनीक, स्वास्थ्य और समावेशी प्रगति जैसे विषयों पर युवाओं ने अपनी नवोन्मेषी सोच प्रस्तुत की। चयनित प्रस्तुतियों के माध्यम से महाराष्ट्र के भविष्य को लेकर सार्थक संवाद और चर्चाएं हुईं। मनोहर डुंबरे ने अपने संबोधन में कहा, हमारी युवा पीढ़ी को सशक्त बनाना, महाराष्ट्र के भविष्य में सबसे बड़ी निवेश है। ऐसे कार्यक्रम विचारों को कर्म में बदलने की चिंगारी का काम करते हैं। आदित्य चौहान ने आगे कहा, श्यह आयोजन केवल भविष्य की कल्पना करने के लिए नहीं है, बल्कि उसे मिलकर रचने के लिए है। महाराष्ट्र 2047 युवाओं के हाथों में है और आज की आवाजें, कल की हकीकत बन सकती हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रभावशाली वक्ता भी मंच पर उपस्थित रहे। बबल कम्युनिकेशन ने इस कार्यक्रम में अधिकारिक मीडिया और इन्फ्लुएंसर पार्टनर के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यक्रम के संदेश को सभी प्लेटफॉर्म्स पर व्यापक रूप से पहुँचाया, युवाओं को जोड़ा और महाराष्ट्र दिवस पर नागरिक सहभागिता को गति दी। 2आरयूई आणि प्लेनेट हॉलीवुड कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक थे जिनके सहयोग से युवा ऊर्जा, सार्वजनिक नेतृत्व और दूरदृष्टिपूर्ण संवाद को एक मंच पर एकत्र किया गया। भव्य चौहान ने कार्यक्रम का संचालन आत्मीयता और ऊर्जा के साथ करते हुए सभी चर्चाओं व उत्सव को खूबसूरती से एक सूत्र में बांधे रखा, जिससे उपस्थित जनसमुदाय संपूर्ण कार्यक्रम से संलग्न रहा।

खास खबर

शुभमन गिल और अंपायर के बीच हुई बहस

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 का 51वां मैच हुआ। मैच को जीटी ने 38 रन से जीत लिया। हैदराबाद गुजरात से हारने के बाद करीब प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल मुकाबले में काफी सुर्खियों में रहे। उनके बल्ले ने हैदराबाद के खिलाफ जमकर आग उगली। इसके अलावा वे दो बार अंपायर से भी भिड़े। जब दूसरी बार उनकी अंपायर के साथ बहस हुई, तब हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ही उन्हें रोकने के लिए आ गए। दरअसल, यह बात है सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के 14वें ओवर की। यह ओवर गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा डाल रहे थे। उनके ओवर की चौथी गेंद पर अभिषेक स्ट्राइक पर थे। कृष्णा ने अभिषेक को यॉर्कर डाली, जिसे वे खेल नहीं पाए। गेंद अभिषेक के पैड्स पर जाकर लगी। इसके बाद गुजरात की टीम ने अपील की। लेकिन, अंपायर ने आउट नहीं दिया। इसके बाद जीटी ने डीआरएस लिया। डीआरएस में देखा गया कि बॉल विकेट को हिट कर रही है। लेकिन इंपैक्ट उसका अंपायर्स कॉल है। अभिषेक को नॉट आउट करार दिया गया था। हालांकि, बॉल ट्रेकिंग के दौरान गेंद कहां पिच हो रही है, यह नहीं दिखाया गया। इसके बाद गिल काफी ज्यादा नाराज दिखे और उनकी अंपायर के साथ बहस हुई।

साई सुदर्शन का फिर ऑरेंज कैप पर कब्जा

नई दिल्ली । अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच साई सुदर्शन ने एक और शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। ओपनिंग करते हुए सुदर्शन ने 48 रन बनाकर एक बार फिर ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया। अब तक साई सुदर्शन के 10 मैचों में 504 रन हो गए हैं, जिससे उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया। यादव ने बीती रात राजस्थान के खिलाफ मैच में यह रिकॉर्ड तोड़ा था, लेकिन सुदर्शन ने इसे अपने नाम कर लिया है। इस सीजन में सुदर्शन की शानदार बल्लेबाजी ने गुजरात के लिए अहम योगदान दिया है।

खेलो इंडिया युथ गेम्स में सेपक टकरा और अमरेंद्र होंगे रेफरी

रांची। बिहार की राजधानी पटना में कल से प्रारम्भ हो रहें खेलो इंडिया युथ गेम्स के सेपकटकरा इवेंट में झारखंड के अमरेंद्र दत्त द्विवेदी रेफरी की भूमिका निभाएंगे। अमरेंद्र दत्त झारखण्ड के इकलौते इंटरनेशनल सेपकटकरा रेफरी है। श्री दत्त इसके पूर्व कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में रेफरी की भूमिका निभा चुके है। अभी हाल ही में पटना में सम्पन्न वर्ल्ड कप सेपक टकरा में भी वे रेफरी थे। अमरेंद्र दत्त के निर्णायक बनाये जाने पर झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक सहित सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के दीपक भरथुआर,उदय साहू, प्रियदर्शी अमर, मिथलेश साहू, मनोज साहू, अजित सिन्हा, प्रदीप खन्ना, बुल्लू गोप, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, शिवेंद्र दुबे,चंचल भट्टाचार्य,मनोज गुप्ता, उमा रानी पालित आदि ने हार्दिक बधाईया दी हैं।

श्रीलंका-भारत के बीच मुकाबला आज

एजेंसी

कोलंबो। महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत और श्रीलंका के बीच रविवार को एक अहम मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी, वहीं श्रीलंका की कोशिश टूर्नामेंट में बने रहने की होगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अजेय रही है। भारत ने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका–दोनों को हराकर अंक तालिका में टॉप पर जगह बनाई हुई है। टीम के तीनों विभाग बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग बेहद संतुलित नजर आए हैं। भारत ने श्रीलंका को पहले मुकाबले में बुरी तरह हराया था, वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी दमदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में स्नेह राणा और श्री चारनी (नल्लापुरी) की स्पिन जोड़ी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम को सस्ते स्कोर पर समेट दिया था। इसके बाद स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल और हरलीन देओल ने लक्ष्य का पीछा आसानी से किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी भारतीय टॉप ऑर्डर ने ठोस शुरूआत दी, जिसके बाद हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्ज ने अंतिम 10 ओवरों में 82 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि तेज गेंदबाज काश्वी गौतम और अरुंधति रेड्डी कुछ महंगे साबित हुए, उन्हें इस मैच में बेहतर नियंत्रण दिखाना होगा। वहीं श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में दमदार वापसी की है। हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी की 128 रन की साझेदारी ने मैच का रुख पलट दिया। यह श्रीलंका के लिए चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी रही है। मैच में माल्की मदारा और डेब्यू कर रही देवमी विहांगा ने मिलकर सात विकेट चटकाए, जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

टीमें इस प्रकार

भारतः प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, काश्वी गौतम, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, नल्लापुरी चारनी, यस्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, तेजल हसबनीस, शुचि उपाध्याय।

श्रीलंकाः चमारी अटापट्टू (कप्तान), कविशा दिलहारी, इनोशी प्रीयधरशनी, विश्वमी गुणरत्ने, हंसीमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसूर्या, सुगांदिका कुमारी, माल्की मदारा, हर्षिता समरविक्रमा, मनुडी नानायक्कारा, हसीनी परेरा, पियुमी वत्सला, इनोका राणावीरा, अनुष्का संजीवनी, रश्मिका सिव्वंडी, निलाक्षिका सिल्वा, देवमी विहांगा।

रहाणे को अब भी है भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की उम्मीदें

एजेंसी

मुंबई । पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि उन्हें अभी भी टेस्ट टीम में वापसी की उम्मीद है। रहाणे के अनुसार उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने की भूख है और इसी कारण वह अपनी ओर से सभी प्रयास कर रहे हैं। आजकल वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी कर रहे हैं हालांकि उनका और टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस बल्लेबाज ने अपना अंतिम टेस्ट मैच साल 2023 में खेला था। रहाणे ने कहा, ह्यमैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बना हुआ है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है। उन्होंने कहा, ह्यमैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं इसके अलावा घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं। रहाणे टेस्ट में विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में जीत हासिल की थी। इसके बाद खराब बल्लेबाजी के चलते हुए टीम से बाहर हो गये थे। इस बल्लेबाज ने कहा , हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से अधिक बढ़कर कुछ नहीं है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लेने झारखंड की टीमें रवाना

एजेंसी

रांची । खेल मंत्रालय एवं युवा मामले, भारत सरकार द्वारा 04 मई से 14 मई तक नई बिहार के पटना, भागलपुर,गया,, बेगूसराय ,राजगृह , नई दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रतियोगिता के लिए विशेष प्रशिक्षण उपरांत रांची से झारखंड की बालक एवं बालिका फुटबॉल, तीरंदाजी, साइक्लिंग, मलखंब, सेपकटकरा की टीमें रवाना हो गई। झारखंड राज्य के खिलाड़ियों को खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक संदीप कुमार, उपनिदेशक राजेश कुमार,जिला खेल पदाधिकारी चतरा सह चीफ डी मिशन तुषार राय, साझा के मणिकांत , देवेंद्र सिंह ने समेत खेल विभाग के अधिकारियों, झारखंड मलखंभ संघ के डॉक्टर अजय झा, झारखंड फुटबॉल संघ के गुलाम रब्बानी, सेपकटकरा संघ के शिवेंदु दुबे, अमरेंद्र द्विवेदी, तीरंदाजी संघ की पूर्णिमा महतो ,साइकिलिंग संघ से मधुकांत पाठक,शैलेंद्र पाठक,रणवीर सिंह समेत विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों को शुभ कामना दी।

दो दिवसीय सत्यानंद ओपन योग चैंपियनशिप शुरू

एजेंसी

रांची। रांची के बिशप स्कूल में सत्यानंद योगा एसोसिएशन एवं श्री अरबिंदो आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सत्यानंद ओपन योग चैंपियनशिप शनिवार से शुरू हुई। योग प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिथि ममता अंसारी, रवि अग्रवाल, रमेश भाई, सीमा अग्रवाल, अनम इकबाल, सुरेश मुर्मू, परिणिता सिंह, डा रुपम कुमारी, संजय कुमार झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के मौके पर संस्था के नन्हे मुन्ने छोटे-छोटे बच्चे योग प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न स्थानों से विभिन्न आयु वर्गों में लगभग 400 से ऊपर प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। दो दिवसीय योग प्रतियोगिता के अलावा पेंटिंग, निबंध, रंगोली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में पहली बार इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग का प्रयोग की जा रही है। कोलकाता से पहुंचे मानिक प्रधान के नेतृत्व में झारखंड के निर्णयाको के सहयोग से प्रतियोगिता को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसमें राज्यभर के प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन सीनियर वर्ग के योग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इससे पूर्व संस्था के निर्देशक आदित्य कुमार सिंह एवं सचिव रूपम कुमारी में आगुंतकों का स्वागत किया। मौके पर आदित्य सिंह, डॉ रूपम सिंह, सपन साह, रजनी बक्शी, राहुल पोद्दार, डा कृष्ण कुमार राय, सुशीत बनर्जी, कुमारी सृजन, सारिका कुमारी, विवेक कुमार, संजय कुमार सहित योग प्रेमी, योग प्रशिक्षक उपस्थित थे।

बिपिन ने बढ़ाया झारखंड का मान

नवनीत सोनू ने तकनीकी अधिकारी बनकर झारखंड कबड्डी प्रेमियों को दिलाई दोहरी खुशी : गोपाल

एजेंसी

राजगीर । बिहार में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 के अंतर्गत कबड्डी खेल के प्रतियोगिता को सफल संचालन हेतु कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड से दो पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। कबड्डी जगत में झारखण्ड से एकमात्र एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में तकनीकी पदाधिकारी के रूप में सराहनीय भूमिका निभा चुके बिपिन कुमार सिंह को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जूरी नियुक्त किया गया है। इसके अलावे प्रो कबड्डी एवं अन्यान्य कई राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कार्य कर चुके नवनीत कुमार सोनू को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के कबड्डी प्रतियोगिता के लिए तकनीकी पदाधिकारी बनाया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारी द्वय बिपिन कुमार सिंह एवं नवनीत कुमार सोनू के इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण जिम्मेवारी निभाने के लिए चयनित होने पर कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने इसे कबड्डी परिवार के लिए गौरांवित होने वाला विषय बताकर दोनों अधिकारी को बधाई देते हुए झारखण्ड में कबड्डी प्रेमियों के लिए दोहरी खुशी बताई है। बधाई देने वालों में कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के सभी पदाधिकारियों के साथ साथ झारखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष आर. के. आनंद, महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे, चंचल भट्टाचार्य, आशु भाटिया, तेजनारायण, जगदीश कुमार, सी. डी. सिंह, राजीव रंजन मिश्रा, प्रवीण सिंह, मदन मोहन पांडेय, आलोक कुमार, प्रकाशित मिंज, राखी कुमारी, मदन राय, धर्मेंद्र सिंह, आदि कई गणमान्य लोग शामिल है ।

ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप

झारखंड 8 स्वर्ण पदक के साथ आगे

एजेंसी

रांची । सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड के तत्वाधान में दूसरी सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप झारखंड खेल गांव के ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई।प्रतियोगिता के पहले दिन मेजबान टीम झारखंड के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण पदक लेकर अपनी मजबूत स्थिति बनाकर पहले स्थान पर रहे वहीं दूसरे स्थान पर 7 की टीम तीन स्वर्ण पदक के साथ और चौथे स्थान पर उड़ीसा की टीम 6 स्वर्ण पदक के साथ रही। प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साउथ एशियन कराटे फेडरेशन के अध्यक्ष सह कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी पूर्व खेल निदेशक राज किशोर खाखा कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा विश्व कराटे महासंघ रेफरी जयंत कुमार करमाकर के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।साथ ही विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा के के विद्यार्थियों ने बैंड प्रदर्शन की प्रस्तुति की।

कुश्ती प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल रांची में संपन्न

रांची । 25 से 27 मई 2025 तक पलवल, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले यू-17 सब-जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता-2025 में भाग लेने हेतु झारखंड यू-17 सब-जूनियर राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल, आज गनपत राय इनडोर स्टेडियम खेलगांव होटवार रांची में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न जिले से 116 कुश्ती खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उक्त प्रतियोगिता सह चयन ट्रायल का उदघाटन झारखंड राज्य कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष बबलू कुमार के द्वारा किया गया, साथ में सीनियर प्लेयर सह कोच राजीव रंजन भीम,खेलो इंडिया सेंटर साहिबगंज के प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल, सीनियर खिलाड़ी सह प्रशिक्षक- मृत्युंजय नाथ चौधरी, साथ अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

एशियन लॉन बॉल चैंपियनशिपः मनीला में झारखंड के खिलाड़ी चमके

- झारखंड के खिलाड़ियों की बदौलत भारतीय लॉन बॉल टीम ने जीते 01 स्वर्ण, 01 रजत, 03 कांस्य पदक जीता

- भारतीय टीम के एक मात्र स्वर्ण पदक जीतने में झारखंड की महिला जोड़ी रूपा रानी तिर्की एवं लवली चौबे महत्वपूर्ण भूमिका रही

एजेंसी

रांची । 27 अप्रैल से 03 मई तक फिलीपींस के मनीला शहर में आयोजित 14वीं एशियन लॉन बॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड राज्य के महिला ट्रिपल में पश्चिमी सिंह भूम की जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की एवं झारखंड पुलिस में कार्यरत लवली चौबे ने अपने शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम को गौरवान्वित करते हुए देश को स्वर्ण पदक दिलाया। वही रूपा रानी तिर्की एवं लवली चौबे की ने महिला फोर्स में भी कांस्य पदक दिलाया। वही झारखंड पुलिस में कार्यरत सुनील बहादुर एवं दिनेश ने पुरुष फोर्स में अपने शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम को गौरवान्वित करते हुए देश को रजत पदक दिलाया। वही सुनील बहादुर एवं दिनेश कुमार ने पुरुष ट्रिपल एवं पुरुष फोर्स में कांस्य पदक दिलाया। इस उपलब्धि पर झारखंड ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष आर के आनंद, भारतीय लॉन बॉल टीम मुख्य प्रशिक्षक सह वर्तमान झारखंड टीम प्रशिक्षक एवं जे ओ ए महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, डी जी पी डॉ अनुराग गुप्ता, खेल सचिव श्री मनोज कुमार,खेल निदेशक श्री संदीप कुमार, झारखंड लॉन बॉल संघ के आशीष झा, रितेश झा, रोहित सिंह, सी डी सिंह, देवेंद्र, रणवीर सिंह समेत झारखंड बाउलिंग संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

लिटिल विंग्स स्कूल बी डिविजन क्रिकेट टूर्नामेंट

नगड़ी क्रिकेट एकेडमी ने जीता फाइनल मैच

एजेंसी

रांची। जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित लिटिल विंग्स स्कूल बी डिविजन क्रिकेट टूर्नामेंट (2024-25) का फाइनल मुकाबला शनिवार को नगड़ी क्रिकेट एकेडमी बनाम हरमू यूथ क्रिकेट एकेडमी के बीच फाइनल मैच गोलचक्र मैदान, धुर्वा में खेला गया जिसमें नगड़ी क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल की । टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि संजय सहाय जे एस सी ए के अध्यक्ष थे। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं उपविजेता को संजय सहाय ने ट्रॉफी दिए साथ में रांची जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारी अध्यक्ष राजू शर्मा उपाध्यक्ष सुनील कुमार, विभूति भूषण प्रसाद जिला संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार , कोषाध्यक्ष सौमित्र पटनायक मौजूद थे। टूर्नामेंट में बेस्ट बैटर का पुरस्कार झारखंड ज्योति क्रिकेट एकेडमी के शोहेब अंसारी एवम बेस्ट बॉलर , ड्रीम बिग क्रिकेट एकेडमी के सचिन कुमार सिंह को दिया गया और आज के फाइनल के मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार नगड़ी क्रिकेट एकेडमी के अमृत उरांव को दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में रांची जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारणी सदस्य चंचल भट्टाचार्य रमेश कुमार, सुरेश कुमार, मुज्जफर अली ,(मुन्ना),सहायक सचिव सुनील पाल , शम्भु सिन्हा एवं मुक्तेश सिंह , एस के पांडे ,शाहिद मिर्जा , जुलकर नयन,रॉनित कुमार , राजीव रंजन,रवि शर्मा रणधीर कुमार आदि मौजूद थे।

इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान, रोहित शर्मा होंगे कप्तान

- टेस्ट टीम में जगह बनाने करुण नायर और रजत पाटीदार में है टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने टीम इंडिया इंग्लैंड का दौरा करेगी। दौरे में इंडिया ए की टीम भी खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम बेन स्टोक्स की टीम के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 2025-27 आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरूआत होगी। बीसीसीआई ने 35 खिलाड़ियों की सूची तैयार की है, इसमें इंडिया ए और टेस्ट टीम के खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति मई के दूसरे हफ्ते तक टीम का ऐलान कर सकते हैं। रोहित शर्मा का टेस्ट टीम में बने रहना मुश्किल था, लेकिन उन्हें इंडिया ए और टेस्ट टीम दोनों के लिए चुना गया है।

चयनकताओं का मानना है कि रोहित शर्मा को कप्तान के तौर पर टीम में रखना जरूरी है। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए करुण नायर और रजत पाटीदार के बीच मुकाबला है। कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन की जगह लेंगे। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान संन्यास ले लिया था। चयनकर्ता मोहम्मद सिराज के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। उन्हें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की कमी खली। रोहित शर्मा का टेस्ट टीम में स्थान खतरे में था। सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 13 पारियों में सिर्फ 155 रन बनाए थे। उनका औसत 10.93 था। उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया था। ऑस्ट्रेलिया में भी उन्होंने निराश किया था। वहां उन्होंने पांच पारियों में सिर्फ 31 रन बनाए थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक चयनकर्ता रोहित शर्मा को कप्तान के पद से हटाने के लिए तैयार नहीं हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि रोहित के दौरे पर जाने की संभावना है। इसका मतलब है कि रोहित शर्मा कप्तान बने रहेंगे, क्योंकि चयनकताओं को लगता है कि उन्हें टीम को लीड करने के लिए एक अनुभवी कप्तान की जरूरत है। भले ही उनका बल्ला ज्यादा रन न बना पाए, लेकिन उनकी कप्तानी का अनुभव टीम के लिए अहम है। करुण नायर की बात करें तो उन्होंने 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 53.94 की औसत से 863 रन बनाए थे। उन्होंने चार शतक भी लगाए थे। विदर्भ को तीसरा खिताब जिताने में उनका अहम योगदान था, लेकिन उन्हें अभी भी टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं है। उनका मुकाबला रजत पाटीदार से है। पाटीदार आईपीएल 2025 में आरसीबी की कप्तानी कर रहे हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर का सिलेक्शन अभी तय नहीं है। संभावना इस बात की है कि उनका सिलेक्शन न हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों खिलाड़ियों को इंडिया ए सीरीज में परखा जा सकता है। यह सीरीज आईपीएल खत्म होने के एक हफ्ते बाद 25 मई से शुरू होगी। पाटीदार ने पिछले साल भारत के लिए तीन टेस्ट खेले थे। उन्होंने सिर्फ 63 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए सात पारियों में 529 रन बनाए थे। इसमें 68 गेंदों में बनाया गया एक शतक भी शामिल था।

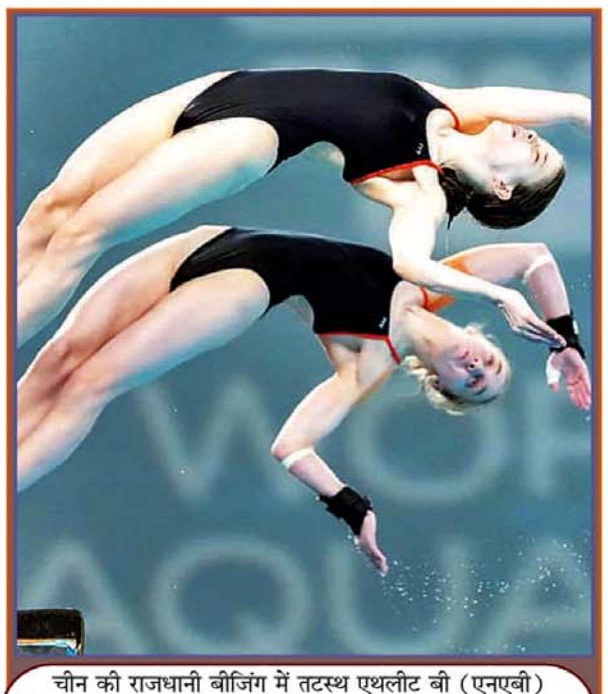

चीन की राजधानी बीजिंग में तटस्थ एथलीट बी (एनएबी) से अन्ना कोन्याखिना/अलेक्जेंड्रा केड्रिना (ऊपर) विश्व एक्वेटिक्स डाइविंग विश्व कप में महिलाओं के 10 मीटर सिंक्रोनाइज्ड फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करती हुई ।

वर्ल्ड लाफ्टर डे स्पेशल

इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि आज के दौर में हंसना सबसे कठिन होता जा रहा है। जबकि कई स्टडीज से साबित हुआ है और हेल्थ स्पेशलिस्ट भी मानते हैं कि हंसने से अनेक शारीरिक, मानसिक लाभ मिलते हैं। यही नहीं हंसने वाले लोग हर तरह की परेशानियों को बेहतर तरीके से हैंडल भी कर लेते हैं। तो आप भी जी भर हंसिए-खिलखिलाइए।

हर परेशानी को भुलाकर हंसिए-खिलखिलाइए

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
जैसे किसी पुराने दोस्त ने
बिना कहे याद कर लिया हो।
जैसे मां ने सिर पर हाथ रखकर कहा हो
सब ठीक है बेटा।
जैसे किसी शाम हवा ने अचानक खुशबू ला दी हो
जो बचपन में बगिया से आती थी।
कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
और तब लगता है
जिंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं...।

-गुलजार

जी हां, इस व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हाल के दशकों में हमने हंसी के बहुत सारे फायदे सुने, जाने और महसूस किए हैं। इसलिए हर साल मई माह के पहले रविवार को मनाया जाने वाला विश्व हास्य दिवस, हर गुजरते साल के साथ दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

बेसब्री से लोग करते हैं इंतजारः साल 1998 से मनाया जाने वाला यह हास्य दिवस, कुछ गिने-चुने अंतरराष्ट्रीय दिवसों में से है, जिसका लोग महीनों से इंतजार करते हैं। हालांकि यह इंतजार तो एक बहाना होता है, इसके पीछे छिपी असली बात यह है कि आज हंसी की महत्ता सर्वसिद्ध हो चुकी है। यही वजह है कि आज हास्य दिवस अपनी उपस्थिति से विश्व शांति और वैश्विक चेतना को बढ़ावा दे रहा है। यह दिन हम सबकी जिंदगी के तनाव को कम करता है, मूड को बेहतर करता है, जितनी भी हो सके जीवन को सकारात्मकता देता है। भला इस महंगाई के दौर में हंसी से ज्यादा फायदे का सौदा और क्या हो सकता है, जिसमें एक्सरसाइज भी हो, दवा भी हो और मेडिटेशन भी। हंसने से ये तीनों चीजें एक ही समय भरपूर और पूरी तरह से मुफ्त मिलती हैं। बावजूद इसके हंसना इतना आसान नहीं है, कुदरत की यह दौलत हर किसी को नहीं मिलती। तभी तो प्रेमलाल शिफा देहलवी ने कहा है-

या तो दीवाना हंसे या तुम जिसे तौफीक दो
वर्ना इस दुनिया में रहकर मुस्कुराता कौन है

केवल हंसी नहीं लाफ्टर योगाः साल 1998 में भारत के एक चिकित्सक डॉ. मदनलाल कटारिया ने हास्य दिवस की शुरुआत की थी। उनके मुताबिक यह अपने आपमें एक योग है, इसलिए हास्य को 'लाफ्टर योगा' माना जाता है। हंसना, सेहत के लिए रामबाण है। हंसने से शरीर में खून बढ़ता है, हंसने से हमारे शरीर में एंडोर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। ये वही हार्मोन या रासायनिक स्राव हैं, जो हमारे दुखों, तकलीफों को चुटकी बजाकर गायब कर देते हैं और हम तरोताजा हो उठते हैं। ये हार्मोन हमारे मूड को बेहतर करते हैं, हमें हल्का-फुल्का महसूस कराते हैं। इसलिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि हंसी तनावनाशक है। यह तनाव पैदा करने वाले हार्मोन जैसे कि कॉर्टिसोल का खात्मा करता है।

अनेक देशों में हो रहा पॉपुलरः करीब 27 वर्ष पहले शुरू हुआ लाफ्टर डे, आज दुनिया के 72 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, इसके पीछे उद्देश्य है गोला-बारूद और व्यापार युद्ध से झुलस रही दुनिया में भाईचारा और सद्भावना बढ़े। इस हास्य योगा मुहिम के जरिए लोग आपस में खुशियां बांटना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर उनकी तरह ही उनके आस-पास रहने वाले लोग भी हंसेंगे तो खुश रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे, सकारात्मक रहेंगे और एक-दूसरे के काम आएंगे। यही वजह है कि आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में लोग पार्कों में मॉर्निंग वॉक करते हुए समूहबद्ध होकर हंसने, खिलखिलाने की खूब कोशिश करते हैं। इसीलिए हास्य दिवस की प्रासंगिकता और इसकी स्वास्थ्य संबंधी महत्ता दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दिल की बीमारियां रहती हैं दूरः हंसना सिर्फ हमारे शरीर में अच्छा अनुभूत होने वाला रासायनिक परिवर्तन ही नहीं करता। यह हमें शारीरिक रूप से भी स्वस्थ करता है। हंसना एक कार्डियो एक्सरसाइज है। हंसने से हमारे दिल की धड़कनें तेज होती हैं, हंसी फेफड़ों तक ज्यादा ऑक्सीजन

पहुंचाती है, एक अच्छी हंसी हमारे ब्लड प्रेशर को संतुलित रखती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का मानना है कि 10-15 मिनट की रोजाना की हंसी हमारी 30 से 40 प्रतिशत तक दिल की बीमारी की आशंका कम कर देती है। हालांकि इसके साथ कुछ और कारक भी होते हैं, लेकिन दिल की सेहत के लिए हंसना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हंसने से हमारा इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है, शरीर की कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं, एंटीबॉडीज का उत्पादन लगातार बढ़ता है और यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मजबूत बनाता है।

परेशानियों से दिलाए छुटकाराः कभी-कभी लगता है कि जैसे आज पूरी दुनिया में हंसी के विरुद्ध कोई अघोषित युद्ध चल रहा है। अगर गौर से देखें तो दुनिया की ज्यादातर हरकतें, लोगों के हंसने यानी खुश रहने के विरुद्ध हैं। दुनिया में बढ़ती महंगाई, बढ़े हुए काम के घंटों से व्याप्त तनाव, वर्क फ्रॉम होम के कारण घरों तक चला आया दफ्तर का तनाव, सोशल मीडिया पर होने वाले टेंशनफुल कमेंट्स, वीडियोज और न जाने ऐसी कौन-कौन सी हमारी रोजमर्रा की गतिविधियां हैं, जो कि हमें हंसने नहीं देतीं। हर समय डिप्रेशन और डिजिटल टॉक्सिंस में डुबोए रखती हैं। हंसी इन सबकी अकेली ऐसी काट है, जो हमें इन सब परेशानियों से छुटकारा दिलाती है और डिजिटल जहर को भी बड़ी आसानी से डिटॉक्स कर देती है। इसीलिए दुनिया की अनगिनत परेशानियों से अगर कोई एक ताकत हर समय मजबूती से लड़ते हुए दिखती है, तो वह हंसी ही है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध में यह सिद्ध हुआ है कि जो लोग नियमित तौर पर कॉमेडी वीडियो देखते हैं, वो परेशानियों से अच्छी तरह से निपट सकते हैं और उनके शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया उन लोगों से बेहतर होती है, जो हमेशा गंभीर और तनाव की मुद्रा में रहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सोशल मीडिया हो या पारंपरिक टीवी मीडिया, सबसे ज्यादा हंसी ही बिकती है, सबसे ज्यादा कॉमेडी शोज ही देखे जाते हैं। *

कारगर हो रही लाफ्टर थेरेपी

हम सब इस बात से अवगत हैं कि हाल के सालों में जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल ज्यादा व्यस्त, ज्यादा आत्मकेंद्रित हुई है, उसी तरह से हम पर कई तरह के मानसिक अवसादों और विकारों ने हमला किया है। आप यकीन मानिए, आज दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सबसे असरदार और सबसे सटीक दवा हंसना ही है। पूरी दुनिया में डॉक्टर लाफ्टर थेरेपी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे कारगर दवा मानते हैं। इसे ह्यूमर थैरेपी कहा जाता है और आज यह भारत में बड़े-बड़े संगठनों और कॉरपोरेट मीटिंग्स का हिस्सा बन गया है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आज ह्यूमर थैरेपी या लाफ्टर क्लब 10 बिलियन डॉलर से बड़ा बिजनेस बन चुकी है। इसलिए अगर कोई कहे कि हंसने से क्या मिलता है, तो कहिए यह एक्सरसाइज है, मेडिसिन है और मेडिटेशन भी है यानी थ्री इन वन है। जो हमें खुशी देती है और रोमांचित करती है।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक-मानसिक गतिविधि माना जाता है। लेकिन हास्य को योगा का स्वरूप देकर पूरी दुनिया में पॉपुलर बनाने वाले डॉक्टर मदन कटारिया ने इसे स्वस्थ-खुशहाल जीवन की कुंजी बना दिया है।

हंसना-योगा साथ-साथ सिखाने वाले डॉ. मदन कटारिया

पर्सनालिटी
शैलेंद्र सिंह

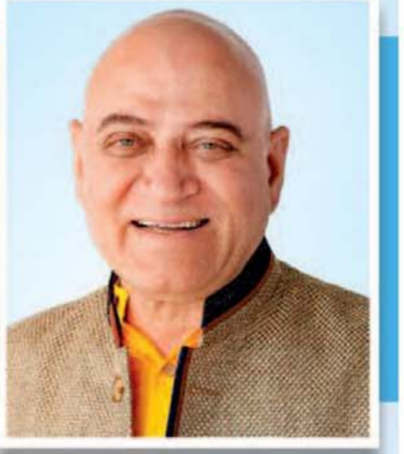

डॉक्टर मदन कटारिया, जिन्हें 'लाफ्टर गुरु' या 'गिगलिंग गुरु' के नाम से भी जाना जाता है, को अगर आधुनिक भारत का हास्य योगाचार्य कहें तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पारंपरिक योग की तरह ही आज पूरी दुनिया में हास्य योग की लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। इसे पॉपुलर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका रही है डॉक्टर मदन कटारिया की।

31 दिसंबर 1955 को महाराष्ट्र के एक गांव में पैदा हुए मदन कटारिया ने साल 1979 में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से मेडिकल स्नातक की डिग्री हासिल की और एक सामान्य चिकित्सक की तरह मुंबई के एक अस्पताल में प्रैक्टिस करने लगे। लेकिन उसी दौर से वे मानने लगे थे कि हास्य एक औषधि के रूप में हमें स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। जिसका सार यह था कि हंसी शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाती है और तनाव कम करती है। डॉ. कटारिया को इन शोध ने गहराई से प्रभावित किया। हालांकि यह रिसर्च मूलरूप से उनकी नहीं थी, उन्होंने भी इसे किसी विश्वविद्यालय की रिसर्च के रूप में पढ़ा था, लेकिन इसे पढ़कर उन्हें खुद बहुत खुशी मिली थी और तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह इसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में

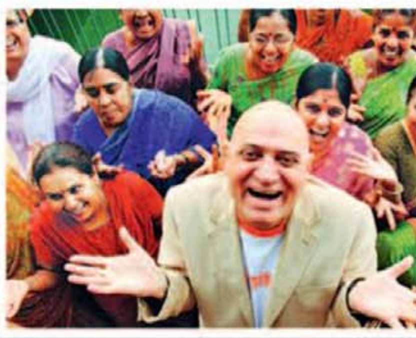

विकसित करेंगे। इस तरह अपने मन में पल रहे लक्ष्य को पूरा करने में वह जुट गए।

ऐसे हुई शुरुआतः 13 मार्च 1995 को डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला पार्क में महज 5 लोगों के साथ हंसी के स्वास्थ्य लाभों पर आधारित लाफ्टर क्लब की शुरुआत की थी। आज दुनिया के लगभग 120 देशों में लाफ्टर क्लब्स, जिनकी संख्या 6 हजार से ऊपर है, चल रहे हैं। पूरी दुनिया उन्हें न सिर्फ लाफ्टर गुरु बल्कि हंसी को अमृत चिकित्सा में बदल देने वाला डॉक्टर मानते हैं।

जान लिया था हंसी का रहस्यः वास्तव में अपनी युवावस्था में ही डॉ. कटारिया ने यह रहस्य पा लिया था कि हंसी महज इंसानी गतिविधि भर नहीं है बल्कि यह अपने आप में इंसान को कुदरत से मिला वरदान है। इसलिए उन्होंने आज के इस व्यस्त और तनावग्रस्त दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे एक आंदोलन का रूप दिया, जो आज पूरी दुनिया में लाफ्टर मूवमेंट के नाम से जाना जाता है। डॉ. कटारिया का लाफ्टर क्लब की स्थापना के पीछे एक सीधा सा विचार था कि हंसी, दुनिया की सबसे अच्छी दवा है। यदि लोग बिना किसी चुटकुले या कॉमेडी सुने-देखे भी हंसते हैं तो उन पर इस हंसी का सकारात्मक असर पड़ता है।

शुरू किया हास्य योगाः जब डॉ. कटारिया ने देखा कि लोगों को उनकी बातों में आकर्षण महसूस हो रहा है तो उन्होंने अपने इस हंसी योग में सांस लेने की तकनीक को भी शामिल किया और इसे प्राणायाम के साथ जोड़ लिया। जिस कारण आज हास्य योग, बेहद वैज्ञानिक योग में परिवर्तित हो चुका है। हास्य योग हंसने की एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है, जो लाफ्टर योगा के रूप में दुनिया के सामने आई है। डॉ. कटारिया ने इस हास्य योग को एक सुप्रबंधित वैज्ञानिक प्रक्रिया में बदलने के लिए हास्य पर कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है- लाफ फॉर नो रीजन। उन्होंने टेड टॉक्स, बीबीसी और नेशनल जियोग्राफिक जैसे कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों में अपने इस हास्य योग के संबंध में लंबे व्याख्यान भी दिए हैं। हंसने को लेकर उनका एक प्रेरणाप्रद विचार है, 'हम हंसते नहीं क्योंकि हम खुश हैं, हम खुश होते हैं, क्योंकि हम हंस सकते हैं।'

ईजाद की नई तकनीकः वास्तव में आज पूरी दुनिया, हंसने को खुश और संतुष्ट रहने का साइंस मानती है। लेकिन शुरू में जब डॉ. मदन कटारिया मुंबई के पार्कों में लोगों को हंसी का महत्व बताया करते थे, तो लोग उनकी बात को मजाक मानकर एक कान से सुनते और दूसरे कान से निकाल देते थे। फिर भी डॉ. कटारिया अपने इस मिशन से पीछे नहीं हटे। कुछ समय बाद डॉ. मदन कटारिया ने जान-बूझकर हंसने यानी सिमूलेटिड लाफ्टर तकनीक विकसित की, जो आज एक योग के प्रारूप में लोगों द्वारा हर दिन अभ्यास की जाती है। लाफ्टर योगा केवल भारत में ही नहीं रुका बल्कि इसकी ख्याति देखते ही देखते साल 2023 तक 110 देशों में फैल चुकी थी। साल 2023 में ही पूरी दुनिया में लाफ्टर योगा कराने वाले क्लबों की संख्या 6 हजार से ज्यादा हो चुकी थी। आज हंसाने वाले उनके ये क्लब स्कूलों, वृद्धाश्रमों, जेलों और मल्टीनेशनल कंपनियों तक में चलते हैं और डॉक्टर मदन कटारिया को आज की दुनिया का हास्य गुरु बनाते हैं। *

हास्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

इक आम न मिलता

कुछ लोगों को काम न मिलता,
लेकिन हमको आराम न मिलता।
दफ्तर की कुर्सी पे दो घंटे,
सोने का इंतजाम न मिलता।
भर-भर थैले फल घर लाऊं,
खाने को इक आम न मिलता।
भरा कबाड़ से है घर सारा,
बेचूं कैसे, सही दाम न मिलता।
पन्ने भर-भर लिखी शायरी,
पर हमको कभी नाम न मिलता।

दर्द-ए-सिर भला भागे कैसे,
ढूंढे पर भी बाम न मिलता।
प्रेम पत्र तो अनगिन भेजे,
उत्तर में पैगाम न मिलता।
खूब लगाते मक्खन अफसर को,
फिर भी कोई ईनाम न मिलता।
रोज न पड़ती डांट अफसर की,
सुबह जो ट्रैफिक जाम न मिलता।
उधार चुकाने वाला हमको,
किसी सुबह, किसी शाम न मिलता।

व्यंग्य
अंशुमाली रस्तोगी

कुछ तो लोग कहेंगे

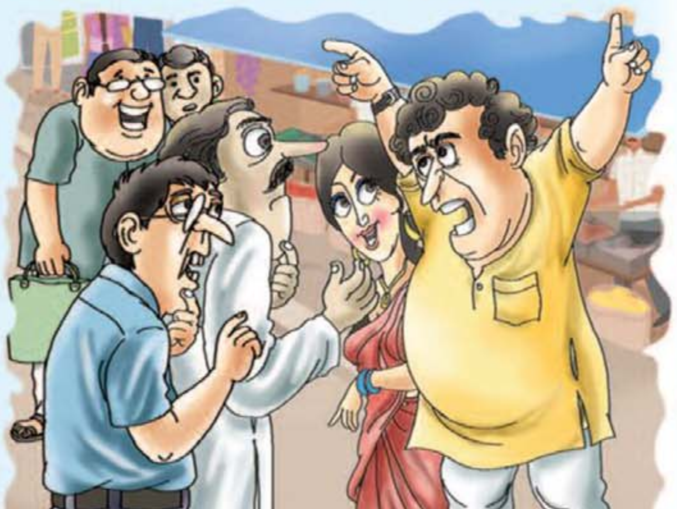

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते।

कुछ लोग कहते हैं। लेकिन क्यों कहते हैं, वे भी नहीं जानते। कहना उनकी आदत है। कहना उनकी बीमारी है। नहीं कहेंगे तो उनका दो वक्त का खाना हजम नहीं होगा। जुबान में अटकाहट-सी महसूस होगी। पेट में किसिम-किसिम की मरोड़ें पैदा होंगी।

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते। परवाह करने लगे तो जमीर टोकेगा कि क्या हो गया है तुम्हें!

वैसे, लोगों के कुछ भी कहने पर एक शोध अवश्य होना चाहिए। आखिर पता तो लगे कि लोग क्यों कुछ भी कह देते हैं? अपने निजी अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि कहने वालों में सबसे बड़ी तादाद पढ़े-लिखे लोगों की होती है। पढ़ी-लिखी जमात ऐसा मानती है कि वो कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है। अच्छा देखेगी तो कुछ कहेगी। खराब देखेगी तो कुछ कहेगी। गंदा देखेगी तो कुछ कहेगी। महसूस करेगी तो कुछ कहेगी। मतलब, उसे हर वक्त कुछ न कुछ कहना ही है, कहने को वो अपनी शान समझती है। कभी खामोश नहीं रहती। उसके आगे तो प्रायः कैंची भी फेल हो जाया करती है। अकसर सोचता हूं कि यह जमात आखिर ऐसा क्या खाती है, जो कुछ भी कहती रहती है हर वक्त!

जानते हैं, मुझसे लोग इसलिए परेशान रहते हैं कि मैं कभी कुछ क्यों नहीं कहता? मुझे कुरेदते हैं, मुझे उलहाना देते हैं। मुझे लालच तक देते हैं, लेकिन मैं कभी कुछ नहीं कहता। कुछ न कहना, मेरी फितरत में शामिल हो चुका है।

लेखक लोग अपनी किताबें मुझे भेजते हैं। फिर कहते हैं कि मैं उन पर कुछ कहूं। जब कुछ नहीं कहता तो बुरा मान जाते हैं। मुझे मनघुन्ना तक साबित कर देते हैं। तब भी मैं उनसे कुछ नहीं कहता। सोचता हूं कि क्या कहूं? कहने वालों की भीड़ में एक शख्स ऐसा भी तो होना चाहिए, जो कुछ न कहे। कहने वालों को और कहने वालों की, सिर्फ सुने। यही तो मैं करने की कोशिश किया करता हूं। किंतु लोग हैं कि बुरा मान जाते हैं। मेरे कुछ न कहने को 'अदरवाइज' ले लेते हैं। अब जो ले लेते हैं तो लें, मैं ऐसा ही हूं! क्या करूं।

यू नो, लोगों के पास बहुत समय है, लेकिन दूसरों के लिए नहीं, आपस में मिलने-जुलने और बतियाने के लिए नहीं, कुछ भी किसी को भी कहने और लंबी-लंबी बेतुकी चर्चाओं के लिए। कुछ भी कहने के मामले में सोशल मीडिया का हाल सबसे बुरा है। किसी के पन्ने या दीवार पर जैसे ही दस्तक दीजिए, कुछ न कुछ आड़ा-तिरछा कहता हुआ ही मिलेगा। यहां लोग सार्थक बहुत कम लिखते या कहते हैं, ज्यादातर सिर्फ खुन्नस निकालते हैं। वे इसी में खुश हैं, उन्हें लगता है कि ऐसा कर वे बहुत महान काम कर रहे हैं। महान लोगों से सोशल मीडिया का मंच खदबदा रहा है।

आज की तारीख में कुछ भी कहना, दुनिया भर में एक लाइलाज बीमारी-सी बनती जा रही है। जुबान कैंची से अधिक खतरनाक हो चली है। दिल फरेबी हो गए हैं, आंखें शातिरता का पैमाना बन गई हैं। मन कुटिलता में तब्दील होते जा रहे हैं। भावना, संवेदना, सहनशीलता, इंसानियत की बातें किताबों में ही सिमट कर रह गई हैं। अच्छा और मीठा कहते-बोलते लोग कम मिलते हैं। तरह-तरह के उपदेश, प्रवचन और ज्ञान हर किसी के पास बहुत है, मगर व्हाट्सएप के स्टेटस पर चढ़ाने के लिए ही।

कम बोलते लोग मुझे भाते हैं। उनसे ही बोलना मुझे अच्छा भी लगता है। उनके बीच जाकर मुझे सुकून मिलता है। इसीलिए मैं भी कम ही कहता और बोलता हूं ताकि फिजा में प्रदूषित शब्दों का जहर कम घुल सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विगत लगभग एक सदी में मुंशी प्रेमचंद हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले कथाकार हैं। इसकी वजह है कि जीवन के लगभग हर पक्ष और संवेदना पर उन्होंने मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनकी लगभग 300 कहानियों में से 15 व्यंग्यात्मक कहानियों का संकलन 'प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं' हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इसमें हम (मोटेराम जी शास्त्री, शादी की वजह, दो बैलों की कथा, निमंत्रण, सत्याग्रह, रसिक संपादक, गुरुमंत्र, स्वांग) समेत कई ऐसी मशहूर कहानियां पढ़ सकते हैं, जिसमें समाज, राजनीति, व्यवस्था में व्याप्त विद्रूप और इंसानी चरित्र की निकृष्टता और उसके दोहरेपन पर कटाक्ष किया गया है। इनमें प्रेमचंद बेहद सहजता से चुटकी लेकर पाठक को बहुत कुछ सोचने पर विवश करते हैं। आमतौर पर जीवन की विडंबनाओं से उपजने वाली तकलीफ और करुणा को अपनी कहानियों का विषय बनाने वाले प्रेमचंद की व्यंग्य कथा-लेखक की भी छवि, इन कहानियों से निर्मित होती है। पुस्तक की भूमिका में संपादक ने उचित ही कहा है, 'प्रेमचंद की इन कहानियों में जीवन के अनेक रंग हैं, जो सहज हास्य और शिष्ट व्यंग्य की पगडंडी पर दौड़ते दिखते हैं।' *

पुस्तकः प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं, **संपादनः** पल्लव,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

कॉस्तॉव

कलाकार- नवाजुद्दीन सिद्दीकी , प्रिया बापट , किशोर कुमार जी , हुसैन दलाल , रोहित तिवारी और गगन देव रियार आदि
लेखक- भवेश मंडालिया और मेघना श्रीवास्तव
निर्देशक- सेजल शाह
निर्माता- विनोद भानुशाली

अगर आपको लगता है कि मौजूदा दौर ही ईमानदारी की कठिन परीक्षा ले रहा है, तो जरा ठिठक कर सोचेंगे तो पता चलेगा कि ऐसा तो हमेशा से होता आया है। सिस्टम चलाने वाले बदलते जाते हैं, ईमानदारी का पाठ पढ़ाने वाले भी बदलते जाते हैं, बस नहीं बदलता है तो हर दौर में किसी न किसी इंसान में जाग चुका ईमानदारी का एक ऐसा कीड़ा जिसकी कुलबुलाती कहानियां लोग तब तक आगे सुनते-सुनाते रहते हैं, जब तक कि ऐसा ही कोई और नया किस्सा न सामने आ जाए। संयोग ही है कि फिल्म 'कॉस्तॉव' उसी दिन रिलीज हो रही है जिस दिन अशोक खेमका नामक आईएएस अफसर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 33 साल की नौकरी में 57 बार तबादले झेल चुके खेमका की बायोपिक भी किसी न किसी के मन में चल ही रही होगी, लेकिन फिलहाल बात गोवा में तैनात रहे कस्टम अधिकारी कॉस्तॉव फर्नांडिस की। फिल्म 'कॉस्तॉव' एक जीते जागते शख्स की कहानी है। कॉस्तॉव फर्नांडिस अब भी जीवित हैं। उनका किरदार फिल्म में निभा रहे नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनसे मिलकर काफी कुछ उनके बारे में जाना। फिल्म की रिसर्च टीम ने भी अच्छा काम किया है। कहानी कॉस्तॉव की बेटी सुना रही है। वही बेटी जिसे उसके पिता की सोहबत ने मुखबिरी करनी सिखा दी। वह सब देखती सुनती है और अपनी एक फाइल में संजोती जाती है। पापा का नाम छपता है अखबार में तो वह उसकी कटिंग निकालकर रख लेती है। खबर अवैध तरीके से आ रहे सोने की जब्ती की है। लेकिन, यही सोना कॉस्तॉव का जीवन तबाह कर देता है। गोवा के माफिया डिमैलो के भाई की उसके हाथों उस वक्त मौत हो जाती है, जब वह सोने की तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश करने की कोशिश कर रहा होता है। डिमैलो की पहुंच दिल्ली तक है और दिल्ली के भेजी सीबीआई कैसे काम करती है, इसका एक नमूना फिल्म में देखने को मिलता है। सब मानते हैं और सब जानते हैं कि कॉस्तॉव एक ईमानदार अफसर है। उसके जैसा ईमानदार अफसर अपने विभाग की शान है। सारे कस्टम वाले उसे चाहते हैं। उसकी हर तरह से मदद भी करते हैं। लेकिन, सीबीआई उसे कत्ल के इल्जाम में गले तक फंसा चुकी है। आखिरी उम्मीद सुप्रीम कोर्ट से होती है, जहां अगर कॉस्तॉव अपने मुखबिर का नाम बता दे तो उसके बचने की उम्मीद भी है।

'वेव्स 2025' में श्रद्धा कपूर ने एडम मोसेरी का मुंह कराया मीठा

वेव्स 2025 का आगाज 1 मई को हो गया है। इस समिट में सिनेमा की दुनिया की कई दिग्गज हस्तियां शिरकत कर रही हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन आमिर खान और करीना कपूर खान के बाद, श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी के साथ बातचीत की। इस दौरान श्रद्धा कपूर ने मोसेरी के साथ जेन जेड कंटेंट का उपभोग कैसे करते हैं विषय पर चर्चा की। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने एडम मोसेरी का स्वागत पूरन पोली खिलाकर किया। एडम मोसेरी ने उठाया पूरन पोली का लुत्फ

सत्र शुरू होने से पहले अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम के हेड एडम मोसेरी का स्वागत किया। अभिनेत्री उनके लिए घर का बना पूरन पोली लेकर आईं। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे पता है कि आप फैंसी जगहों पर खाना खा रहे हैं और आपने भारतीय भोजन का स्वाद चखा है। मैं चाहती हूं कि आप यह महाराष्ट्रीयन मिठाई आजमाएं जिसे पूरन पोली कहा जाता है। यह मेरे घर पर बनी है।' इसके बाद एडम मोसेरी ने इसका लुत्फ उठाया।

रणवीर दीपिका के साथ किया डिनर

इससे पहले एडम मोसेरी ने बॉलीवुड के पॉवर कपल कहे जाने वाले रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के साथ बुधवार की शाम डिनर किया था। वह रणवीर-दीपिका के साथ मुंबई के एक रेस्तरां में एक साथ नजर आए थे। मोसेरी ने इंस्टाग्राम पर डिनर आउटिंग की एक सेल्फी भी शेयर की थी। तस्वीर को कैप्शन देते हुए मोसेरी ने लिखा था, 'मुझे आज शाम बॉम्बे में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जैसे पावर कपल से मिलने का मौका मिला साथ ही कुछ बेहतरीन खाने का मजा लिया।' श्रद्धा कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो वह निखिल द्विवेदी की 'नागिन' में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार फिल्म 'स्त्री 2' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और पंकज त्रिपाठी भी नजर आए थे। कहा जा रहा है कि साल 2027 में इस फेंचाइजी की तीसरी किस्त के साथ श्रद्धा फिर मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स में नजर आएंगी।

फिल्मी मसाला

रेड 2 से पहले वाणी कपूर ने सात फिल्मों में किया काम

बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर की फिल्म रेड 2 हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में वह अजय देवगन के साथ नजर आई हैं। 2013 में शुद्ध देसी रोमांस से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वाणी ने 11 साल में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन क्या वह अब तक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उम्मीद के मुताबिक सफलता पा सकी हैं?

शुद्ध देसी रोमांस

वाणी ने यशराज फिल्म्स की शुद्ध देसी रोमांस से साल 2013 में बॉलीवुड में कदम रखा था। सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा के साथ उनकी यह फिल्म युवाओं के बीच खूब पसंद की गई। इस फिल्म ने 46.60 करोड़ रुपये कमाए और इसे हिट माना गया। फिल्म में वाणी के अभिनय की तारीफ हुई और उन्हें बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

बेफिक्रे

तीन साल बाद वाणी रणवीर सिंह के साथ बेफिक्रे में दिखीं। साल 2016 में आई यशराज बैनर की इस फिल्म में उनकी बोल्ड भूमिका और बहुत से किसिंग सीन की खूब चर्चा हुई। इस फिल्म ने 60 करोड़ रुपये कमाए, जिसकी वजह से इसे औसत माना गया। इस फिल्म में समीक्षकों ने वाणी की एक्टिंग भी पसंद नहीं आई थी।

वॉर

दो साल के ब्रेक के बाद वाणी वॉर में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं। 2019 की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 318 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और ब्लॉकबस्टर रही। वाणी ने फिल्म में ऋतिक की गर्लफ्रेंड का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने पसंद किया था। हालांकि, फिल्म की सफलता का श्रेय ज्यादातर ऋतिक और टाइगर को गया।

बेल बॉटम

वाणी कपूर साल 2021 में अक्षय कुमार के साथ बेल बॉटम में नजर आई थीं। यह स्पाई थ्रिलर कोविड के बाद रिलीज हुई थी, जिसका असर इसके बॉक्स ऑफिस पर दिखा था। फिल्म ने उम्मीद से काफी कम कमाई की और इसे फ्लॉप माना गया। कमजोर कहानी और कोरोना महामारी ने इस फिल्म को बड़ा नुकसान पहुंचाया।

चंडीगढ़ करे आशिकी

आयुष्मान खुराना के साथ चंडीगढ़ करे आशिकी में वाणी ने एक ट्रांसजेंडर किरदार निभाया था। फिल्म ने केवल 28.26 करोड़ रुपये कमाए और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। समीक्षकों ने कहानी को सराहा , लेकिन दर्शकों ने इसे ज्यादा पसंद नहीं किया था।

शमशेरा

रणबीर कपूर के साथ शमशेरा में वाणी को बड़ा मौका मिला था। यशराज की इस 1फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह केवल 40.36 करोड़ रुपये कमा सकी और बुरी तरह फ्लॉप हुई। फिल्म में वाणी का किरदार लोगों को ज्यादा प्रभावित नहीं कर सका। अक्षय कुमार, तापसी पन्नू और अन्य सितारों के साथ खेल खेल में में वाणी ने हल्की-फुल्की कॉमेडी की कोशिश की।

मूवी मसाला

थंडरबोल्ट्स

कलाकार- फ्लोरेंस प्यू , सेबेस्टियन स्टेन , डेविड हार्बर , ओल्गा कुरीलेंको , हन्ना जॉन-कामेन , जूलिया लुइस-ड्रेफस , वायट रसेल और लुईस पुलमैन
लेखक- एरिक पियर्सन और जोआना कैलो
निर्देशक- जेक श्रेयर
निर्माता- केविन फाइगी

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 36वीं फिल्म 'थंडरबोल्ट्स' की रिलीज के साथ ही इस काल्पनिक महागाथा का पांचवां चरण पूरा हो गया। साल 2008 से फिल्म 'आयरनमैन' की कहानी के साथ शुरू हुई इस महागाथा में फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' (2019) ने इस मायने में बड़ा पूर्ण विराम लगाया कि ब्रह्माण्ड के सबसे शक्तिशाली खलनायक थानोस से लड़ते लड़ते इन एवेंजर्स न सिर्फ दुनिया को 'फिलप' से वापस बुला लिया, बल्कि खुद भी बहुत बड़ा नुकसान झेला। इसके बाद से एमसीयू की फिल्में ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं हर तरफ से कोशिशें करती रही हैं, लेकिन अपने समर्पित दर्शकों के चेहरों पर एक मुस्कान या फिर सिनेमा देखते समय उनकी तालियों की गड़गड़ाहट सुनने को इन्हें बनाने वाले भी खूब तरसे हैं। 'स्पाइडरमैन नो व होम' जैसे अपवाद को छोड़ दें तो मल्टीवर्स की कहानियां किसी सिरे पहुंचती नहीं दिख रही थीं। लेकिन, अब ये बातें अतीत की होने वाली हैं।

निर्माता केविन फाइगी की नई फिल्म का नाम है, 'थंडरबोल्ट्स*'। ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे के नाम के आखिर में वैसा ही पुच्छलतारा जानबूझकर बनाया गया है जैसा कि आम तौर पर किसी मोहक चीज की तरफ लोगों को आकर्षित करने के बाद 'टर्म्स एंड कंडीशन्स अप्लाइड' जैसी बात बताने के लिए लिखा जाता है। यहां इसका मतलब है कि ये नाम जो है, वह बस काम चलाने भर को है, कहानी ये किस बारे में है ये आपको फिल्म देखने के बाद पता चलेगा। एमसीयू की इस 36वीं में फिल्म में जाकर ये भी तय हो चला है कि अब ये दुनिया किस तरफ का रुख करने वाली है। यहां कहानी उन लूजर्स की है जो व्यक्तिगत रूप में अपनी अपनी कहानी में कुछ खास कर नहीं पाए। ये सब बस अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की निदेशक के इशारे पर ऐसे काम करते रहे जो कानून की किताबों में अपराध माने जाते हैं। निजाम बदलने के साथ ही ये निदेशक अब जांच के घेरे में है तो वह अपने पुराने पापों का सारा लेखा जोखा साफ कर देना चाहती है। इसमें ये सारे 'लूजर्स' भी शामिल है जिन्हें वह एक दूसरे को मारने के लिए ही अपने एक खुफिया ठिकाने पर भेज देती है। एक तरह से देखा जाए तो ये अपना रास्ता भटके लोगों को ऐसी कहानी है जिनको मुख्यधारा में लाने की कोई योजना तो किसी ने नहीं बनाई लेकिन इन लोगों ने अपनी अपनी कमजोरियों के साथ एक दूसरे को अपनाया और फिर हालात व चुनौतियों ने इन्हें एक टीम के रूप में काम करना सिखा दिया। एक दूसरे को मारने की बजाय जैसे ही इन सब ने एक दूसरे की ढाल बनना सीखा, इन सबके जीने के मायने ही बदल गए। अमेरिकी संसद का सदस्य बन चुके बकी बार्न्स का इनसे आ मिलना और सुपरमैन जैसा कुछ बनाने की कोशिश में एक नया शक्तिशाली इंसान बन गए बॉब का अपने सेंट्री और वॉयड दोनों रूपों में इन भटके खलनायकों को एक नई दिशा दिखाना, फिल्म 'थंडरबोल्ट्स' की कहानी का संपुट है। ये कहानी अकेलेपन से घबराए लोगों की है।

द भूतनी

कलाकार- संजय दत्त , सनी सिंह , मौनी रॉय , पलक तिवारी , निक , आसिफ खान और हर्ष वर्धन सिंह आदि
लेखक- वंकुश अरोड़ा और सिद्धांत सचदेव
निर्देशक- सिद्धांत सचदेव
निर्माता- दीपक मुकुट और संजय दत्त

होने को तो ये फिल्म गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों की एक बेहतरीन घोस्टबस्टर फिल्म हो सकती थी, लेकिन इसे बनाने वालों ने इस कहानी के असल डीएनए को समझा ही नहीं। कॉलेज कैंपस से भूतों की भगाने की इस कहानी को इसे लिखने वालों ने कैंपस लव स्टोरी में बदलने की कोशिश की। घोस्टबस्टर का हॉलीवुड फॉर्मूला भी लाए। तमाम भूतों को भगाने के बाद एक सुंदर सी भूतनी लाए। ऐसी भूतनी एक ही है इस पूरे जहान में, इसका दावा ठोकने के लिए उसके पहले 'द' भी लगाए, लेकिन मामला जमा नहीं। एक तो अपने संजू बाबा को दो बार बीए करके बाबा बनने वाला आइडिया जिसने भी दिया, बहुत ही गोबर आइडिया है। हाल ही में अभिनेता हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सनम तेरी कसम' को फिर से रिलीज करके सुर्खियों में आए निर्माता दीपक मुकुट की संजय दत्त की कंपनी के साथ बनाई अगली फिल्म है, 'द भूतनी'। मान्यता दत्त फिल्म की को प्रोड्यूसर हैं। संजय दत्त के पिता सुनील दत्त ने कभी हिंदी सिनेमा को चोटी पर ले जाने वाली फिल्में अपनी कंपनी अजंता आर्ट्स के बैनर तले बनाई थीं। इस बैनर तले वे फिल्में बनाते, सरहदों पर फौजियों का मनोरंजन करने के लिए सितारों को सैर पर ले जाते, नए हुनरमंद तलाशते और भी तमाम काम सिनेमा के लिए करते। तीन साल पहले संजय दत्त ने थ्री डाइमेंशन मोशन पिक्चर्स नाम की फिल्म कंपनी बनाई। तब संजय दत्त ने कहा था कि वह हिंदी सिनेमा में वैसी फिल्में बनाना चाहते हैं जैसी फिल्में हॉलीवुड में डेंजल वाशिंगटन, केविन कोस्टनर और मेल गिब्सन बना रहे हैं। काश, संजू बाबा ने डेंजल वाशिंगटन की 'इक्वलाइजर' सीरीज की फिल्में देख ली होतीं। थ्री डाइमेंशन मोशन पिक्चर्स की पहली फिल्म 'द भूतनी' तीन साल पहले 'वर्जिन ट्री' के नाम से शुरू हुई थी। जैसा कि संजय दत्त का एलान था, ये फिल्म उनकी हीरोगिरी को फिर से बड़े परदे पर सजाने की पूरी कोशिश करती है, लेकिन 65 साल का हो चुका उनका शरीर उनके इरादों का साथ देता नजर नहीं आता। वह घोस्टबस्टर के किरदार में दर्शकों को प्रभावित करने की कोशिश पूरी करते हैं, लेकिन जिस स्कूल या कॉलेज में उन्हें बुलाया गया है, वहां पढ़ाई छोड़ बाकी सारा काम होता है। वह खुद भी इसी कैंपस से निकले हैं। भूतों को भगाने का बिजनेस करते हैं। साथ में एक गाड़ी चलती है जिसमें बैठे लोग भूतों की शिनाख्त करते रहते हैं। एक इंटर्न है जो डांट खाने के लिए साथ चलता रहता है। कहानी कैंपस के एक ऐसे पेड़ की है जिस पर कहते हैं कि वैलेंटाइंस डे के दिन आत्मा आती है और सच्ची मोहब्बत करने वालों को मिला भी देती है। लेकिन, इस पेड़ का एक जुड़वा पेड़ भी है कैंपस में जहां एक भूतनी का डेरा है। सनी सिंह और पलक तिवारी की जोड़ी यहां कैंपस लव स्टोरी सजाने के लिए है। मौनी रॉय दोनों की लव स्टोरी में विलेन या वैंप, जो भी वह हैं, बनकर आती हैं। फिल्म 'द भूतनी' अपने विचार के स्तर पर ही मात खा जाती है। कैंपस लव स्टोरी देखने अब कौन आता है थियेटर में? और ऐसा कैंपस जिसमें सिर्फ भूतों की ही बातें चलती रहती हों। पूरी फिल्म में किसी क्लासरूम के या किसी अध्यापक के क्लास मे पढ़ाते हुए दर्शन नहीं होते। बच्चे सजावट में लगे रहते हैं। मास्टर मीटिंग में लगे रहते हैं। अपना हीरो और उसके दोस्त कुछ ऐसा गाना गाते रहते हैं, जिसके अंत में डॉट, डॉट, डॉट करके गालियों का फिल इन द ब्लैंक्स छोड़ा गया है। फिल्म इसी के बाद न बच्चों की रही और न बड़ों की। बीच की जिस जनरेशन के लिए ये गाना बना है, वे सब सुबह नौ बजे के शो में मुझे मिले फिल्म 'थंडरबोल्ट्स' देखते हुए। बिना किसी जमीनी शोध या इंसानी रिसर्च के फिल्में बनाना नुकसान का सौदा है। हिंदी फिल्में बनाने वालों को कुछ तो सैंपल साइज समझकर अपनी कहानियों पर फिल्म बनाने से पहले फीडबैक लेना चाहिए।

देश की केवल दो प्रतिशत आबादी सिनेमाघरों में फिल्म देख पाती है, स्क्रीन की संख्या बढ़ानी होगी: आमिर

अभिनेता आमिर खान ने कहा कि भारत फिल्म प्रेमी देश है लेकिन देश की बड़ी आबादी अमेरिका और चीन जैसे देशों की तुलना में सिनेमाघरों तक नही जा पाती। यहां आयोजित पहले विश्व दृश्य श्रव्य और मनोरंजन सम्मेलन (वेव्स) के दूसरे दिन आमिर खान (60) ने एक सत्र में भाग लिया जिसका शीर्षक था स्टूडियोज ऑफ फ्यूचर: पुटिंग इंडिया ऑन वर्ल्ड स्टूडियो मैप। उन्होंने कहा कि मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना में निवेश बहुत जरूरी है। अभिनेता ने कहा, मेरा मानना है कि हमें भारत में और भी ज्यादा थिएटर और अलग-अलग तरह के थिएटर की जरूरत है। देश में कई जिले और बड़े-बड़े इलाके हैं, जहां एक भी सिनेमाघर नहीं है। पिछले कई दशकों में हमने जो भी समस्याएं झेली हैं, वो सिर्फ ज्यादा स्क्रीन की कमी से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, और मेरे हिसाब से, हमें इसी में निवेश करना चाहिए। भारत में बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन इसका एहसास तभी हो सकता है, जब आपके पास देश भर में ज्यादा स्क्रीन हों। अगर ऐसा नही होगा, तो लोग फिल्में नही देखेंगे।

किसानों ने राकेश टिकैत को पहनाई पगड़ी, पंचायत में उमड़ा जनसैलाब

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में किसान नेता राकेश टिकैत के समर्थन में बड़ा जन सैलाब उमड़ा है। उत्तर प्रदेश के हर कोने से बड़ी संख्या में किसान तथा नेता मुजफ्फरनगर पहुंचे हैं। भारतीय किसान यूनियन ने राकेश टिकैत के साथ हुई अभद्रता को लेकर मुजफ्फरनगर में पंचायत बुलाई थी। इस पंचायत में बड़ी संख्या में शामिल हुए किसानों ने राकेश टिकैत के साथ हुई अभद्रता का पुरजोर विरोध करते हुए कड़े शब्दों में निंदा की। महापंचायत में 36 बिरादरी के किसानों ने राकेश टिकैत को लाल रंग की विशाल पगड़ी पहनाई।

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि कुछ लोग जातियों और धर्म के आधार पर देश को बांटने की साजिश कर रहे हैं। पहले हिन्दू-मुस्लिम था अब किसानों का विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'कुछ सिरफिरे हर जगह माहौल खराब करना चाहते हैं'। महापंचायत से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि जिन लोगों ने मुजफ्फरनगर में माहौल खराब करने का प्रयास किया उन्हें प्रशासन द्वारा चिन्हित करना चाहिए। 'प्रशासन उन लोगों को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करे'। राकेश टिकैत ने कहा कि कुछ लोग हैं जो देश में अमन-चैन नहीं चाहते। जिन लोगों ने कल हंगामा किया उनका मकसद शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि देना नहीं

बल्कि देश को जातीय और धर्म के आधार पर बांटना था। उन्होंने कहा कि प्रशासन को ऐसे लोगों को पहचान कर उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। कश्मीर में पहलगाम में हुए हमले पर बोलते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि पहलगाम हमले पर केन्द्र सरकार टाइट फैसला ले। हमारे देश की ना मिलिट्री कमजोर, ना ही हमारे लोग कमजोर हैं।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हो रही पंचायत में सपा सांसद ने इकरा हसन ने मंच से बोलते हुए कहा कि भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत पर हमला करने वाले भी आतंकवादियों से कम नहीं हैं। कल की घटना बेहद निंदनीय है। इस देश में हर व्यक्ति आतंकवाद के खिलाफ है। पहलगाम में जो हुआ हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं और आतंकियों पर लानत भेजते हैं लेकिन आक्रोश रैली में कोई जाता है तो समर्थन करने जाता है। राकेश टिकैत ने अपने लिए काम नहीं किया बल्कि दूसरों के हक की लड़ाई लड़ी। वह हर जगह सबसे पहले पहुंचते हैं।

राकेश टिकैत प्रकरण को लेकर आयोजित पंचायत में सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह पगड़ी सिर्फ राकेश टिकैत की नहीं है यह पगड़ी किसानों की है। भाईचारे की पगड़ी है। हम टिकैत की ढाल बनकर खड़े होंगे। अतुल प्रधान ने कहा कि अपमान करने वाले लकीर खींच लें, मुकाबले के लिए तैयार रहें।

किसान नेता व भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के साथ हुई अभद्रता के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बुलाई गई पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत, समाजवादी पार्टी के सांसद हरेंद्र मलिक, राष्ट्रीय लोक दल के विधायक मदन भैया, उत्तर प्रदेश विधानसभा में राष्ट्रीय लोकदल के नेता तथा विधायक राजपाल बालियान, समाजवादी पार्टी की संसद इकरा हसन, सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान सहित बड़ी संख्या में राजनेता भी पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक वक्ता अपने विचार रख रहे थे। इस पंचायत में आखिरी फैसला क्या होगा हम आपको अपडेट करेंगे।

वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांगजन पेंशन का सत्यापन कड़ाई से करें : डीएम

तीनों तहसीलों में 139 शिकायतें दर्ज, 15 का निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों दादरी, जेवर और सदर में आज तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 139 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 15 शिकायतों का समाधान मौके पर ही संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा द्वारा दादरी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम जिला समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा लगाए गए पेंशन कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पेंशन के लिए उपस्थित जन सामान्य से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने जनसामान्य की शिकायतों को सुनते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन

पेंशन के लिए प्राप्त सभी नए आवेदनों का सत्यापन पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता से किया जाए।

जिलाधिकारी ने तहसील समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दादरी तहसील में कुल 114 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 13 का समाधान मौके पर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा, एसीपी दादरी सौम्या सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, तहसीलदार ओमप्रकाश पासवान, नायब तहसीलदार प्रज्ञा सिंह एवं संबंधित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जेवर तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 21 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 का शिकायत का निस्तारण मौके पर किया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 04 शिकायतें दर्ज की गईं, जिसमें 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

जेवर एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा में तैनात होंगे रोबोट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर को रोबोट सुरक्षा प्रणाली से लैस किया जाएगा। जिससे की बम और संदिग्ध वस्तुओं की पहचान की जा सके. ऐसे ही मिनी रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल (एमआरओवी) का प्रदर्शन एयरपोर्ट पर किया गया। जिसे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है.

एमआरओवी ने प्रदर्शन के दौरान बताया गया कि बमों की पहचान करने और उसे निष्क्रिय करने के लिए नोएडा एयरपोर्ट पर रोबोटिक सिस्टम लगाया जाएगा, इसे सिक्योरिटी डिफेंस सिस्टम ने तैयार किया है यह अत्याधुनिक सिस्टम विशेष रूप से विमान, ट्रेन, मेट्रो जैसी जगहों में ऑपरेशन के लिए डिजाइन किया गया है। इसके 90 प्रतिशत से अधिक पुर्जे स्वदेशी हैं। इस कारण यह किफायती है।

चार-पहिया एमआरओवी, किसी भी इलाके में काम करने में सक्षम है। इसके रोबोटिक आर्म 20 किलो तक की वस्तु 2.5 मीटर और 9 किलो तक की वस्तु चार मीटर दूर से उठा ले जा सकते है। इसके वाटर जेट डिसरप्टर तकनीक से बम तुरंत निष्क्रिय किया जा सकता है। उच्च स्तरीय कैमरे, नाइट विजन और न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल, केमिकल रेकनाइसेंस तकनीक से युक्त होने के साथ-साथ पोर्टेबल एक्स-रे डिवाइस और शॉटगन से लैस है। इसे 500 मीटर दूर से रिमोट कंट्रोल से आपरेट किया जा सकता और इसके बैटरी बैकअप तीन घंटे का है.

एमआरओवी से बम निष्क्रिय करने के साथ ही आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की क्षमता भी बढ़ेगी। एयरपोर्ट पर पहले चरण में ऐसे छह एमआरओवी तैनात किए जाएंगे। एयरपोर्ट शुरू होने से पहले इसे सुरक्षा एजेंसी को सौंपा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का 10 मई को होगा आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों पर आगामी 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि 10 मई को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे।

सेक्टर-34 में पानी बिल जमा करने के लिए लगाया गया शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के सहयोग से

फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 द्वारा कम्युनिटी सेंटर में शिविर लगाया गया है।

जानकारी देते हुए फेडरेशन महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि शनिवार को पानी का बिल जमा करने एव बिल में नाम परिवर्तन के लिए संबंधी आदि समस्याओं के समाधान के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि सेक्टर निवासियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए ही शिविर लगाया गया हैं। इस शिविर में सेक्टर की विभिन्न सोसायटी के 100 से अधिक निवासियों ने लाभ उठाया।

आम जनता को उनके घर के पास ही सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आरडब्ल्यूए एव निवासियों द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया गया इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन वरिष्ठ प्रबंधक प्रेमसैन प्रबंधक अंशुमन ख़ान अवर अभियंता महेश चौहान संजीव महतो आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

प्रदेश में मोटा अनाज उत्पादन से किसानों को हो रहा है लाभ

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में ज्वार, बाजरा, कोदो, सावाँ, रागी/मडुआ आदि मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने ''उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम'' को मंजूरी दी है। इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट 2023 के मद्देनजर लॉन्च की गई इस नई योजना के तहत 05 सालों में प्रदेश सरकार 18626.50 लाख रूपये खर्च कर रही है। इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है मिलेट की खेती को बढ़ावा देते हुए क्षेत्राच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाते हुए किसानों की आय में भी इजाफा करने के लिए वैल्यू एडीशन और मार्केटिंग के जरिए मिलेट को आम जनता की थाली तक पहुंचाना है, जिससे उन्हें संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मिलेट्स यानी मोटा अनाज की खेती और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने ''उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम'' के संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम नामक यह नई योजना वर्ष 2022-23 से वर्ष 2026-27 तक संचालित की जा रही है। कार्यक्रम क्रियान्वयन की इस अवधि में 18626.50 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आंकलित है, जिसे राज्य सरकार वहन कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मिलेट्स को ''श्री अन्न'' नाम देते हुए अधिक से अधिक लोगों को खाद्यान्न में अपनाने पर बल दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के तहत मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (इण्टरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स) के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया था। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में संचालित प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजना को अगले 5 साल के लिए संचालित करने के

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम जारी

प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग कर कृषि सेक्टर में रोजगार सृजन को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई है।

सरकार ने औद्योगिक भूमि की आवश्यकता को सुनिश्चित कराने के लिये निजी औद्योगिक पार्क के विकास की योजना के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसे निजी प्रवर्तक के द्वारा बिल्ड ओन आपरेट (बीओओ) के आधार पर संचालित किया जाएगा। एमएसएमई इकाईयों के द्वारा कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार का सृजन कियां जाता है।

वर्तमान में प्रदेश में ऐसी 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जिन्हें और अधिक बढ़ाया जा रहा हैं। निजी औद्योगिक पार्क के भू-खण्डों के आवंटन, संचालन तथा मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के रख-रखाव का सम्पूर्ण दायित्व निजी प्रवर्तक का होगा। योजना के अन्तर्गत निजी प्रवर्तकों द्वारा 10 एकड से 50 एक? तक की भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव भूमि के स्वामित्व के कागजात एवं आगणन सहित जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र को उपलब्ध कराया जाएगा। चयनित भूमि का भू उपयोग औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये होना चाहिए। इनमें मिलेट्स इकाइयां भी स्थापित होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों, कृषि के क्षेत्र में ब ?ावा देने के लिए राज्य में कई प्रकार की योजनाएं संचालित की गई है ताकि गरीब किसानों की आय में वृद्धि हो सके। प्रदेश में किसानों के लिए आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना 2023 को भी शुरू किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा ''उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्वार कार्यक्रम पोर्टल को शुरू किया गया है इस पोर्टल के तहत राज्य में मिलेट्स में अर्थात मोटे अनाजों के उत्पादन में बढ़ावा प्रदान करने के लिए राज्य में किसानों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। देश में मोटे अनाज की बढ़ती हुई मांग को लेकर यूपी सरकार ने इस पोर्टल को शुरू किया है और इस पोर्टल में राज्य के किसान एवं जनता को लाभ प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत मोटे अनाजों जैसे-ज्वार, बाजरा, कुट्ठ, मडुआ, कोदो, सांवा, रागी आदि जो भी मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को मोटे अनाजं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसके तहत किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है। मिलेट्स उत्पादन में भारत का दुनिया में पहला स्थान है।